



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 10 जून 2026

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 216 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

हादसे:

जयपुर के खो नागोरियान इलाके में बड़ा हादसा
अवैध पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग
3 लोगों की मौत, कई घायल

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के खो नागोरियान थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। आयाश नगर के तलाई इलाके में एक मकान के अंदर संचालित की जा रही कथित अवैध पटाखा फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

जानकारी के अनुसार, रिहायशी क्षेत्र में स्थित इस मकान में पटाखा बनाने और संग्रहित करने का काम किया जा रहा था। सुबह अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि



अंदर मौजूद कई लोगों को बाहर निकालने का मौका तक नहीं मिल सका। आग में झुलसे लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया,

जहां से गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल रेफर किया गया है।

सीतामढ़ी में आंधी के दौरान कच्चे मकान पर गिरा पीपल का पेड़
एक परिवार के पांच लोगों की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार के सीतामढ़ी जिले में सोमवार देर रात तेज आंधी के दौरान बड़ा पीपल का पेड़ उखड़कर एक घर पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुशी टोला (वार्ड नंबर 1) में हुई। मृतकों की पहचान पूजा देवी (28), बेटी शिवानी (5) और तीन बेटों राजकुमार (7), वीरभद्र कुमार (2) और एक महीने के लायार कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, परिवार कच्चे मकान में सो रहा था, जो एक पुराने पीपल के पेड़ के पास बना हुआ था। रात करीब 11:30 बजे तेज हवाएं और भारी बारिश शुरू हुई, जिससे पेड़ उखड़ गया और सीधे घर पर गिर पड़ा। इससे पूरा मकान ढह गया और सभी पांच लोग मलबे में दब गए। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सदर एसडीपीओ, बीडीओ और रीगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की और मलबा हटाया। जिला प्रशासन ने प्रभावित परिवार को सरकारी नियमों के अनुसार मुआवजा और अन्य सहायता देने की प्रक्रिया



मौसम विभाग ने बिहार के कई जिलों के लिए चेतावनी जारी की है

शुरू कर दी है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मानसून 10 से 15 जून के बीच बिहार में प्रवेश कर सकता है। शाम पश्चिम चंपारण जिले के बगहा क्षेत्र में भी तेज आंधी और बारिश से व्यापक नुकसान हुआ। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए। घरों को नुकसान पहुंचा और कई मुख्य सड़कें बाधित हो गईं। रामनगर-बखरी मुख्य सड़क पर बंजरिया चौक के पास एक बड़ा पेड़ गिरने से भारी जाम लग गया।

महाराष्ट्र के जलगांव में वाहनों की टक्कर में गुजरात के पांच लोगों समेत छह की मौत

कार, बाइक और एसटी बस की हुई आमने-सामने टक्कर

एजेंसी

अमलनेर। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मंगलवार सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में गुजरात के एक परिवार के पांच सदस्यों समेत एक स्थानीय बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। कार, मोटरसाइकिल और राज्य परिवहन (एसटी) बस के बीच हुई जोरदार टक्कर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हादसा इतना भयानक था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

बताया गया कि गुजरात राज्य के वयारा निवासी एक परिवार के सदस्य जलगांव जिले की अमलनेर तहसील के मंगरुल गांव के पास आयोजित सगाई समारोह में शामिल होने के लिए कार से जा रहे थे। मंगरुल गांव के पास तेज रफ्तार कार, बाइक और एसटी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कार में सवार

लोग वाहन के अंदर ही फंस गए। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने ग्रामीणों की



मदद से वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया। कुछ घायलों को सड़क से बाहर निकाल लिया गया, जबकि कार के अंदर फंसे एक छोटे बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ी जबकि इस हादसे में गुजरात निवासी पांच लोगों सहित छह लोगों की जान चली गयी।

मानसून 13 राज्यों में पहुंचा

यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं

एमपी-राजस्थान के 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही ग्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60kmph

मंगलवार को आंधी से कई पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों



वहीं राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर अभी बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी है। श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मानसून 5 दिन में यह 13 राज्यों तक पहुंच गया

है। तेलंगाना में एंटी कर चुका है। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले दो दिनों में मानसून गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।

8 राज्यों में लू का अलर्ट

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्मी फिर तेज हो गई है। IMD ने आज 8 राज्यों में लू का अलर्ट दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान एक बार फिर 45°C से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। वहीं, दिल्ली में भी अधिकतम तापमान 43.4°C दर्ज किया गया।

रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में

पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं।

जोजिला सुरंग की अंतिम चट्टान की खुदाई का गडकरी ने शुभारंभ किया

एजेंसी

गांधरबल। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को जोजिला सुरंग की अंतिम चट्टान की खुदाई का

यह उपलब्धि 13.15 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

शुभारंभ किया। यह उपलब्धि 13.15 किलोमीटर लंबी जोजिला सुरंग के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पूरा होने पर यह एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सड़क सुरंग होगी। इस परियोजना से कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित होने के साथ-साथ क्षेत्र में परिवहन, पर्यटन

और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों



के मुताबिक ये बड़ी कामयाबी तय समय से 6 महीने पहले ही हासिल कर ली गई है। इस सुरंग का निर्माण हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड

हो चुका है, जिससे यह सुरंग निर्माण के उस महत्वपूर्ण पड़ाव के करीब पहुंच गई है जहां दोनों सिरों से खुदाई के सिरे मिलते हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज हेगड़े को राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

बेंगलुरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव तथा कर्नाटक राज्य व्यक्ति योजनाओं की क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज हेगड़े के निधन से कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर है। उनके निधन पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मंगलवार को बेंगलुरु पहुंचे और डॉलर्स कॉलोनी स्थित सूरज हेगड़े के आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए। राहुल गांधी ने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों से तुलनाकर कर उन्हें इस कठिन समय में धैर्य रखने का सबल दिया।

टीएमसी में टकराव बढ़ा:



एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने पार्टी से बगावत करने वाले सांसदों को 'गद्दार' करार दिया है। उन्होंने राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि अगर उनको (बागी सांसदों) को समस्या है तो उन्हें पार्टी छोड़ देनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हर के बाद करीब 20 सांसदों के बागी

होने की चर्चाएं हैं। इस पर मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में 'मां-माटी-मानुष के नाम पर टीएमसी के 29 सांसद जीतकर आए थे। उनमें से एक का निधन हो चुका है तो 28 सांसद बचे हैं।' बागी 20 सांसदों पर भड़कते हुए कीर्ति आजाद ने कहा, 'मैं 'गद्दारों' से जानना चाहता हूं कि अगर तकलीफ हो

रही थी तो तुमने चुनाव के बाद यह परेशानी क्यों जाहिर की। आपको यह बोले- 'अगर परेशानी तो छोड़ दें पार्टी'

परेशानी चुनावों के पहले जाहिर करनी चाहिए थी। चुनावों के बाद आपने अनेकों आरोप भी लगाए। सुखेंदु शेखर

पटना फायरिंग केस में खान सर को राहत

कोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई अंतरिम रोक

एजेंसी

पटना। चर्चित शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज (चहल) के संस्थापक खान सर को पटना फायरिंग मामले में बड़ी राहत मिली है। पटना सिविल कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगा दी है। खान सर के खिलाफ 2 जून को उनके कोचिंग संस्थान के बाहर हुई कथित फायरिंग की घटना को लेकर मामला दर्ज किया गया था।

जानकारी के अनुसार, खान सर को ओर से अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई थी। याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। खान सर के खिलाफ पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रारंभिकी दर्ज है। वायरल वीडियो के बाद बढ़ी थी मुश्किलें यह मामला उस वायरल वीडियो के बाद चर्चा में आया,

जिसमें खान सर के कोचिंग संस्थान के दो सुरक्षा गार्ड कथित तौर पर फायरिंग करते नजर आए थे। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों को हिरासत



में लेकर गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस जांच के दौरान सुरक्षा गार्डों ने दावा किया कि उन्होंने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। इसी आधार पर जांच का दायरा बढ़ाया गया और खान सर को भी मामले में आरोपी बनाया गया।

कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए डीए में बढ़ोतरी जुलाई से लागू होगी: सीएम

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी राज्य की तरफकी ने अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 2 फीसदी की बढ़ोतरी का फैसला जुलाई से लागू होगा, जिससे इनकी दर 58 फीसदी से बढ़कर 60 फीसदी हो जाएगी। इस फैसले से राज्य भर में आठ लाख से ज्यादा मौजूदा कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा होने की उम्मीद है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस जानकारी को साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों और रिटायर हो चुके कर्मचारियों की भलाई और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारे कर्मचारी और पेंशनभोगी असम को विकास यात्रा में अहम भागीदार हैं।

बागी सांसदों को कीर्ति आजाद ने बताया 'गद्दार'



एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने पार्टी से बगावत करने वाले सांसदों को 'गद्दार' करार दिया है। उन्होंने राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि अगर उनको (बागी सांसदों) को समस्या है तो उन्हें पार्टी छोड़ देनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में हर के बाद करीब 20 सांसदों के बागी

होने की चर्चाएं हैं। इस पर मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में 'मां-माटी-मानुष के नाम पर टीएमसी के 29 सांसद जीतकर आए थे। उनमें से एक का निधन हो चुका है तो 28 सांसद बचे हैं।' बागी 20 सांसदों पर भड़कते हुए कीर्ति आजाद ने कहा, 'मैं 'गद्दारों' से जानना चाहता हूं कि अगर तकलीफ हो

रही थी तो तुमने चुनाव के बाद यह परेशानी क्यों जाहिर की। आपको यह बोले- 'अगर परेशानी तो छोड़ दें पार्टी'

परेशानी चुनावों के पहले जाहिर करनी चाहिए थी। चुनावों के बाद आपने अनेकों आरोप भी लगाए। सुखेंदु शेखर

रॉय ने आरोप लगाए। वह सही हैं या गलत हैं, वो जांच का विषय है। हालांकि, नैतिकता के तौर पर उन्होंने टीएमसी से इस्तीफा दिया। अगर आपमें (बागी सांसदों) भी राजनीतिक नैतिकता है तो तुम्हें ही इस्तीफा दे देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगर वे (बागी) इन लोगों (सांसदों) को ले भी लेंगे तो एनडीए पार्टी नहीं, बल्कि संगठन है। पहले यह स्पष्ट नहीं है कि

आपके साथ कितने सांसद हैं। संख्या दो-तिहाई हुई है या नहीं। अगर आपके झूठ को सच भी मान लूं कि आपके पास 20-22 सांसद हैं, तो आपको भाजपा में विलय करना ही होगा।' कीर्ति आजाद ने कहा, 'अगर आपका यही इशारा है, तो इसे खुलकर कहें, बजाय इसके कि उन कार्यकर्ताओं के साथ धोखा करें जिन्होंने पार्टी को खड़ा किया है।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, कार–बाइक टक्कर में 6 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना अमलनेर क्षेत्र के लोहे फाटा के पास सुबह करीब सात बजे हुई। पुलिस के अनुसार गुजरात से एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे लोगों की कार की सामने से आ रही मोटरसाइकिल से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बस से जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार नदलाल महाजन, अनीता महाजन, सुरेश महाजन और निर्मला महाजन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोटरसाइकिल सवार निलेश तावड़े और फाल्गुनी भोंई ने भी दम तोड़ दिया। कार चालक आदित्य महाजन के पैर में फेंकर हुआ है और उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आप नेता अरोड़ा पर इंडी की रेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को 100 करोड़ रुपए के कथित जीएसटी धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। जांच के तहत पंजाब के मंत्री सजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड और उससे संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के ठिकानों की तलाशी ली गई। अधिकारियों के अनुसार, जालंधर, लुधियाना, बरेली और नोएडा समेत कुल छह स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान आवासीय और व्यावसायिक परिसरों से दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इंडी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड से जुड़े वित्तीय लेन–देन और कथित मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों की जांच कर रही है।

झारखंड राज्यसभा चुनाव में नया मोड़, भाजपा समर्थित उम्मीदवार का नामांकन फिलहाल होल्ड पर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी के नामांकन पत्र को निर्वाचन अधिकारियों ने फिलहाल होल्ड पर रख दिया है। वहीं, झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, परिमल नाथवानी के नामांकन को लेकर कुछ आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। नामांकन पत्र से जुड़े तीन बिंदुओं पर सवाल उठाए गए हैं, जिनकी जांच निर्वाचन अधिकारी कर रहे हैं। इन आपत्तियों पर अंतिम फैसला होने तक उनके नामांकन को लंबित रखा गया है। राज्यसभा की दो सीटों के लिए हो रहे चुनाव में मुकाबला पहले ही रोचक बना हुआ है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बैद्यनाथ राम को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने प्रणव झा को मैदान में उतारा है। दूसरी ओर, परिमल नाथवानी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नाथवानी की उम्मीदवारी ने चुनावी गणित को और दिक्कतपस बना दिया है। राज्य की दो सीटों के लिए त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति बन गई है और विभिन्न दलों के विधायकों के समर्थन को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं। गौरतलब है कि झारखंड की इन दो राज्यसभा सीटों पर चुनाव 18 जून को होना है।एक सीट झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुभाष चंद्रावर्मा के विराट कर रहा है। वहीं दूसरी सीट पर भारतीय जनता पार्टी के दीपक प्रकाश को कांठकाल समाप्त हो रहा है।

ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट कब होगी खत्म? रेल मंत्री अधिनी वैष्णव ने बताया रेलवे का रोडमैप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे में यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए सबसे बड़ी समस्या कन्कर्म टिकट की होती है। ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अधिनी वैष्णव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रेलवे इस समस्या को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है और आने वाले वर्षों में स्थिति में काफी सुधार देखने को मिलेगा। एक विशेष साक्षात्कार में रेल मंत्री ने बताया कि वेटिंग लिस्ट की मुख्य वजह यात्रियों की भारी संख्या और उपलब्ध सीटों के बीच बड़ा अंतर है। उनके अनुसार, हर साल भारतीय रेलवे से करीब 750 करोड़ यात्री सफर करते हैं, जबकि सड़क परिवहन और हवाई यात्रा का आंकड़ा इससे काफी कम है। इसी कारण रेलवे पर अत्यधिक दबाव बना रहता है। अधिनी वैष्णव ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए देश में दो से ढाई हजार नई ट्रेनें शुरू करने की आवश्यकता है। इसके लिए रेलवे लगातार नई पटरियां बिछा रहा है और मौजूदा नेटवर्क को विस्तार कर रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 36 हजार किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई जा चुकी हैं और लगभग 70 हजार किलोमीटर ट्रैक का उन्नयन किया गया है।

तीन साल में 731 मौतों के बाद भी शांत नहीं हुआ मणिपुर, नगा गांव में हमले के बाद बढ़ा तनाव, सुरक्षा बलों को लेकर नई शर्त

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 3 साल से जातीय हिंसा चल रही है। राज्य में पूरी तरह शांति नहीं है। कांगपोकपी जिले के पोग्रिंगलॉन्ग रॉमेई नगा गांव में कुकी उगवादी संगठन ने गोलीबारी की। इस घटना के बाद लापता चुन्जाम्लुंग पामेई नाम के नगा विलेज गाई का शव जंगलों से मिला है। उसके सिर पर गोली मारी गई थी। इसके बाद फैसला लिया गया है कि गांवों में सुरक्षा बलों की एंट्री पर विलेज अर्थॉरिटी को पहले खबर देनी होगी। गौरतलब है कि मणिपुर में जारी हिंसा–तनाव की वजह से बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। आरटीआई से मांगी गई जानकारी में सामने आया है कि तीन साल में 731 विस्थापित अपनी जान यांचा चुके हैं। चूरादांपपुर में सबसे ज्यादा 248, बिष्णुपुर में 151 और कंगपोपपी में 128 मौत दर्ज हुई हैं। जबकि राज्य के 9 जिलों में अभी भी 43,676 लोग विस्थापित हैं। इस बीच नगा समूहों का आरोप है कि केंद्र कुकी समूहों का इस्तेमाल शेडो वॉर (छाय युद्ध) के तौर पर कर रहा है। इसके अलावा चिंग मामांग गांव में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें एक घायल हुआ है। नगा संगठनों ने सुरक्षा बलों पर पक्षपात का आरोप लगाया है। साथ ही निषेध जांच की मांग की है। इस बीच, नोने जिले के लोंगजंग/ठंगाल गांव की विलेज अर्थॉरिटी ने राज्य पुलिस, असम राइफल्स सीआरपीएफ को नोटिस दिया है।

नेहरू के कार्यकाल का रिकॉर्ड तोड़ सकते हो उनके किए गए कार्यों का नहीं : राउत

–पीएम मोदी एक प्रेस कॉन्फेंस कर जनता को 12 साल के कार्यकाल की दें जानकारी

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को मांग की कि पीएम नरेंद्र मोदी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें और जनता को अपने 12 साल के कार्यकाल में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दें। बता दें हाल ही में पीएम मोदी ने 12 साल का कार्यकाल पूरा किया है। पूर्व पीएम जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की तुलना को लेकर बीजेपी की आलोचना करते हुए संजय राउत ने कहा कि मौजूदा सरकार पंडित नेहरू के कार्यों का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सकती।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री पद की दौड़ जारी है, लेकिन इसके चलते लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। देश के चुनाव आयोग को भी कुचला जा रहा है। वे कई संवैधानिक संस्थाओं के कंधों पर सवार होकर चल रहे हैं। इसलिए उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का साहस दिखाना चाहिए। वैश्विक दबाव के कारण ही उन्हें ऑपरेशन



सिंदूर को भी समाप्त करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी पंडित नेहरू के बिल्कुल विपरीत कार्य कर रहे हैं। पंडित नेहरू एक प्रतिभाशाली नेता थे जो इसलिए उन्हें प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का साहस दिखाना चाहिए। वैश्विक दबाव के कारण ही उन्हें ऑपरेशन

चाहिए...आपने भले ही पंडित नेहरू के कार्यकाल के रिकॉर्ड को तोड़ा हो, लेकिन पंडित नेहरू के कार्यों के रिकॉर्ड को तोड़ना संभव नहीं है। इस बीच नई दिल्ली में गठबंधन की बैठक के बाद जब राउत से पूछा गया कि इंडिया ब्लॉक के लिए प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन होगा, तो उन्होंने मुझाव दिया कि कोई भी आम आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है।

उन्होने कहा कि उद्धव ठाकरे, जो वरुंचली बैठक में शामिल हुए, उन्होंने गन्धधन में एकता का आह्वान किया। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे इंडिया ब्लॉक के लिए प्रधानमंत्री पद के चेहरे का फैसला नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक को एकजुट रहना चाहिए। अगर मोदी प्रधानमंत्री बन सकते हैं, तो कोई भी आम आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है। बता दें इंडिया ब्लॉक ने सोमवार को एक बैठक की, जिसमें 25 पार्टियों के नेताओं ने भाग लिया था।

उनकी संपत्ति का मूल्य 80 हजार करोड़ रुपए है।

उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने सार्वजनिक उद्यम स्थापित किए। तेल कंपनियां, एलआईसी, आईआईटी और भी बहुत कुछ। मोदी ने क्या किया? उन्हें आकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताना

खान सर को पटना सिविल कोर्ट से बड़ी राहत, गिरफ्तारी पर रोक



पटना (एजेंसी)। पटना के चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर को पटना सिविल कोर्ट से एक बड़ी अंतरिम राहत मिल गई है। खान सर को अग्रिम जमानत याचिका पर सोमवार को अदालत में विस्तृत सुनवाई हुई थी, जिसके बाद न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को अदालत ने अपना आदेश जारी करते हुए खान सर को अंतरिम सुर्खा प्रदान की है। कोर्ट ने पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश देते हुए खान सर के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। अदालत के इस आदेश के बाद फिलहाल खान सर की गिरफ्तारी पर तलवार चलाया गया है। इसके साथ ही माननीय न्यायालय ने पुलिस को खान सर का पूरा आपाकिक इतिहास और मामले से जुड़ी केस डायरी अगली तारीख तक उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई आगामी 30 जून को तय की गई है। बता दें कि यह पूरा विवाद तब

गहराया जब पुलिस ने खान सर के खिलाफ हत्या का प्रयास और आर्म्स एक्ट जैसी कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में नामजद होने के बाद खान सर अचानक से मुख्यधारा से गायब हो गए थे। उन्हें तलाशने के लिए पुलिस की टीमों ने उनके प्रसिद्ध संस्थान खान ग्लोबल कोचिंग सेंटर पर भी छापेमारी की थी, लेकिन खान सर पुलिस के हाथ नहीं आए। इसके बाद लगातार यह कयास लगाए जा रहे थे कि खान सर के वकील या तो कोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल करेंगे या फिर खान सर किसी भी समय अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण (संरेड) कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने संरेड करने के बजाय कानूनी रास्ता चुना और अपनी जमानत याचिका दायर की। सोमवार की बहस के बाद सुरक्षित रखे गए फैसले में मंगलवार को उन्हें कोर्ट से यह बड़ी राहत मिल गई, जिससे उनके प्रशंसकों और छात्रों ने राहत की सांस ली है।

ममता ने कल्याण बनर्जी को बनाया लोकसभा का चीफ व्हिप

–20 बागी सांसदों के अलग गुट बनाने के बाद स्पीकर को भेजा पत्र

–काकोली घोष दस्तीदार को चुन चुके हैं बागी सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी राजनीतिक उपपटक के बीच पार्टी प्रमुख और संसदीय दल की चेयरपर्सन ममता बनर्जी ने लोकसभा में वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी को पार्टी का नया चीफ व्हिप नियुक्त किया है। इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है कि इस नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। यह कदम ऐसे समय उठया गया है जब एक दिन पहले ही लोकसभा में टीएमसी के 28 सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर पार्टी नेतृत्व से अलग होने का दावा किया था।

बागी सांसदों ने केंद्र की एनडीए सरकार को समर्थन देने की घोषणा करते हुए सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। काकोली घोष दस्तीदार ने बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला पत्र लोकसभा अध्यक्ष को भेजकर अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में मान्यता और सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की मांग भी की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी सांसद शतब्दी रॉय के आवास पर बागी सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें जून मालिया, बापी हलदर, अबु ताहिर खान और असित कुमार मल समेत कई सांसद शामिल हुए। बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्र अधिकारी भी वहां पहुंचे और सांसदों से मुलाकात की। इससे पहले 9 जून को 11 बागी सांसदों ने केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक की

थी। उस बैठक में भी शुभेंद्र अधिकारी को मौजूदगी चर्चा का विषय रही थी।

संसद में टीएमसी की स्थिति

लोकसभा में टीएमसी के वर्तमान में 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया था, जब 80 में से 58 विधायकों ने अलग गुट बनाने का दावा किया था। इस समूह ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना था। लगातार हो रहे इन घटनाक्रमों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब नजर लोकसभा अध्यक्ष के फैसले और बागी सांसदों की मान्यता संबंधी मांगों पर टिकी हुई है, जिनका असर संसद और राज्य की राजनीति दोनों पर पड़ सकता है।

दुनिया में परमाणु हथियारों की होड़ जारी, पाक को पीछे छोड़ भारत ने बढ़ाया जखीरा

–भारत के पास 190 तो पाकिस्तान के पास 170 वॉरहेड्स हैं, रुस सबसे आगे

नई दिल्ली(एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन और महाशक्तियों के बीच अविश्वास के माहौल में परमाणु हथियारों को लेकर बेहद चॉकनाे वाली रिपोर्ट सामने आई है। रक्षा क्षेत्र पर नजर रखने वाली प्रतिष्ठित वैश्विक संस्था स्टॉकहोम ने अपनी सालाना सिंपरी ईयरबुक 2026 जारी की है। परमाणु हथियारों की संख्या और उनके प्रभाव को कम करने के लिए दशकों से किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयास उल्टे होते दिख रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के कई देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बार फिर परमाणु हथियारों पर निर्भरता बढ़ा रहे हैं। उनका मॉडर्न कर रहे हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर परमाणु युद्ध या किसी गलतफहमी के कारण होने वाले परमाणु एक्सेलेशन का खतरा बढ़ गया है। इस रिपोर्ट की सबसे बड़ी और खास बात यह है कि दक्षिण एशिया में रणनीतिक

संतुलन के लिहाज से भारत ने एक नया मुकाम हासिल किया है। भारत का परमाणु हथियार भंडार साल 2025 के 180 वॉरहेड्स से बढ़कर 2026 में 190 वॉरहेड्स तक पहुंच गया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही भारत रणनीतिक रूप से अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान से आगे निकल गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने परमाणु बलों और मिसाइल डिलीवरी सिस्टम को लगातार आधुनिक बना रहे हैं, लेकिन संख्या बल के मामले में भारत अब बढ़त बना चुका है। जहां भारत के पास अब 190 परमाणु हथियार हैं। वहीं पाकिस्तान करीब 170 वॉरहेड्स है। रिपोर्ट में भारत को लेकर एक बहुत ही अहम और ऑपरेशनल शिफ्ट का जिक्र किया गया है। भारत और चीन जैसे उभरते हुए परमाणु संपन्न देश अब शांति काल के दौरान भी अपनी मिसाइलों पर छेटी

संख्या में परमाणु वॉरहेड तैनात कर सकते हैं। भारत अब किसी भी अप्रत्याशित संकट की स्थिति में बेहद कम समय में जवाबी कार्रवाई करने के लिए खुद को तैयार कर चुका है।

पूरी दुनिया के स्तर पर नजर डालें तो सिंपरी का अनुमान है कि जनवरी 2026 तक दुनिया का कुल परमाणु भंडार 12187 वॉरहेड्स था। अगर इसकी तुलना एक साल पहले यानी 2025 से की जाए, तो तब यह संख्या 12241 थी। कुल संख्या में मामूली गिरावट जरूर दर्ज की गई है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह गिरावट भ्रामक हो सकती है। देश अपने पुराने और सेवानुह हो चुके परमाणु हथियारों को नष्ट करने की प्रक्रिया को धीमा कर रहे हैं। नए अधिक घातक परमाणु प्रणालियों की तैनाती को तेज कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में यह ट्रेंड पूरी तरह पलट सकता है और कुल संख्या फिर से बढ़ सकती है।

यूपी–बिहार के मंत्रियों ने कहा– पीएम के 12 साल जनकल्याण को समर्पित रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को 12 साल पूरे हो गए। इन 12 सालों को विकास और जनकल्याण को पूरी तरह से समर्पित माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रमुख मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें बधाई दी है। इस अवसर पर मंत्रियों ने केंद्र सरकार की विभिन्न उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए इन वर्षों को देश के इतिहास में विश्वास, सुशासन और गरीब कल्याण का एक स्वर्णिम अध्याय बताया है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इन वर्षों में विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया गया है। उन्होंने आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर जल, उज्ज्वला योजना और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों ने करोड़ों वंचित परिवारों को बुनियादी सुविधाएं देकर उनके जीवन में सुरक्षा और सम्मान का नया संचार किया है। पारदर्शी शासन की इस नई संस्कृति ने जनविश्वास को और मजबूत किया है। यूपी सरकार के मंत्री नंद गोपाल नंदी ने प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ बीते 12 वर्ष भारत के सर्वांगीण विकास के साक्षी रहे हैं। अंत्योदय की भावना से प्रेरित इस विकास मॉडल ने आर्थिक प्रगति, डिजिटल नवाचार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे वैश्विक मंच पर भी भारत की प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के एक अन्य मंत्री कुंवर बिजेश सिंह ने इन 12 वर्षों को देश की युवा शक्ति के सशक्तीकरण का कालखंड बताया। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसी ऐतिहासिक पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि आज का युवा नौकीं खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला और नवाचार का नेतृत्व करने वाला बन चुका है। भारत के युवाओं ने तकनीक, खेल और रक्षा जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है।

अल-नीनो के बाद भी मॉनसून की रफ्तार तेज: कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

उत्तर भारत में आंधी–तूफान के साथ पश्चिमी विक्षोभ का असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल-नीनो जैसी

प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों की चुनौती के बावजूद देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून बेहद मूसलाधार बारिश करवाता हुआ तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त ताजा जानकारी के अनुसार, मॉनसून ने देश के एक बड़े हिस्से में अपनी मजबूत दस्तक दे दी है। यह अब तक महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों को पूरी तरह से कवर कर चुका है। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आने वाले सात दिन देश के कई राज्यों के लिए मौसम के लिहाज से काफी भारी पड़ सकते हैं।

केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, मेगालय और पश्चिम बंगाल के उप-हिमालयी क्षेत्रों में अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल आशंका जताई गई है। इसके साथ ही, मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार और देश की राजधानी दिल्ली में भी न्य् पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। आगामी 11 से 12 जून के दौरान उत्तर भारत के कई मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी उल्टफेर देखने को मिल सकता है।

मौसम के इस बदलते मिजाज के बीच समूह ने ऋतब्रत बनर्जी को



अनुमान है कि यह बहुत जल्द पूर्वोत्तर के बचे हुए हिस्सों को अपने प्रभाव में ले लेगा। इसके अतिरिक्त, अगले दो से तीन दिनों के भीतर मॉनसून के ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के शेष इलाकों को भी पूरी तरह कवर करने की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। यदि मॉनसून की पूरे देश में सक्रिय हो जाएगा। वर्तमान में महाराष्ट्र के कई तटीय और आंतरिक हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के पहुंचने से झामझम बारिश का दौर शुरू हो चुका है, जिससे स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। दूसरी तरफ, उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भारत के मौसम को प्रभावित करने के लिए एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो

रहा है। मौसम विभाग के अपडेट के मुताबिक, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दस्तक देने वाला यह विक्षोभ अगले तीन से चार दिनों के भीतर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश का कारण बनेगा। इन पर्वतीय राज्यों में 9 से 14 जून तक रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। पहाड़ी इलाकों के अलावा मैदानी क्षेत्रों में भी इसका व्यापक असर दिखेगा, जिसके चलते 10 से 14 जून के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर, लाढ़ख और गिलगित-बाल्टिस्तान में 11 और 12 जून को विशेष रूप से तेज हवाओं के साथ भारी

बारिश हो सकती है, जबकि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के मैदानी भागों में इन्हीं दो दिनों के दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी आधियां चलने का अनुमान लगाया गया है।

उत्तर प्रदेश और बिहार के मौसम की बात करें, तो 10 से 14 जून के बीच उत्तर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बारिश का नया दौर शुरू होने जा रहा है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी 9 से 14 जून के बीच मध्यम से भारी बारिश के आसार बने हुए हैं। पड़ोसी राज्य बिहार में 10 जून के बाद राजधानी पटना सहित सिवान, भागलपुर और मुंगेर जैसे जिलों में मध्यम स्तर की वर्षा दर्ज की जा सकती है। इसके साथ ही झारखंड, बिहार और गंगा नदी के मैदानी इलाकों में 10 से 15 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ मूसलाधार बारिश की चेतावनी दी गई है। राजधानी दिल्ली में हालांकि बीते 24 घंटों में पालम और आयानगर जैसे कुछ सीमित स्थानों पर ही हल्की वर्षा दर्ज हुई थी और तापमान में आंशिक बढ़ोतरी देखी गई थी, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 10 जून तक अधिकतम तापमान भले ही 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाए, परंतु 11 जून से आने वाली आंधी और बारिश के कारण तापमान में एक बार फिर बड़ी गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी।

टीएमसी में बड़ी बगावत, यूसुफ पटान भी कर रहे हैं एनडीए का समर्थन

लद्दाख (एजेंसी)।

कोलकाता, (ईएमएस)। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के संसदीय दल पर अचानक एक बड़ा संकट मंडराता नजर आ रहा है। अधिकांश सांसदों के समर्थन का दावा करने वाले पार्टी के एक बागी गुट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का साथ छोड़कर केंद्र की सत्ताधारी एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को समर्थन देने का चॉकनाे वाला फैसला किया है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की पुर्जोर चर्चा है कि इन बागी सांसदों के गुट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान लोकसभा सांसद यूसुफ पटान भी शामिल हैं। हालांकि, यूसुफ पटान की तरफ से अभी तक इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह सारा घटनाक्रम ठीक उस समय हुआ जब ममता बनर्जी विपक्षी इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंची हुई थीं।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर टीएमसी की वरिष्ठ नेता और सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने बड़ा बयान देते हुए बागी गुट में यूसुफ पटान का नाम होने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कुल 20 सांसदों ने बगावत का रास्ता चुना है और अगर जरूरत पड़ी, तो वह सार्वजनिक रूप से एक-एक करके सभी के नामों का खुलासा कर सकती हैं। बागी गुट की प्रमुख बताई जा रही दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को अपने औपचारिक समर्थन को जानकारी देने का फैसला किया है। उन्होंने फोन पर इस बात की पुष्टि की है कि उनके सहित लगभग बीस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भेजने का मन बना लिया है।

इस बगावत की खबरों के बीच सोमवार को टीएमसी की तेजतर्रार सांसद

महुआ मोद्ग्रा ने यूसुफ पटान पर तीखा जुबानी हमला बोला। उन्होंने पटान पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी को अमित शाह का फोन आने पर इतनी जल्दी घुटने नहीं टेकने चाहिए। उन्होंने पटान को जिला की जनता द्वारा बड़े अंतर से जिताने जाने की याद दिलाते हुए अपनी राजनीतिक रीढ़ मजबूत रखने की नसीहत दी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में ऐसी खबरें भी आई थीं कि टीएमसी ने बहरामपुर सीट से उच्चनाथ लड़कर ममता बनर्जी को लोकसभा भेजने के लिए यूसुफ पटान को इस्तीफे के लिए मनाने की कोशिश की थी, जिसमें पूर्व क्रिकेटर सोरभ गांगुली की भी मदद ली गई थी, लेकिन पटान ने इस्तीफा देने से साफ मना कर दिया था। हालांकि, बाद में सोरभ गांगुली ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया था।



बढ़कर 60 वॉरहेड्स हो गया है। दुनिया के ये देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने परमाणु शस्त्रागार को नया रूप दे रहे हैं। कई नई परमाणु-सक्षम प्रणालियों को सेना में शामिल कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक सिंपरी के निदेशक करीम हगगा ने स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के

उपकरण के रूप में परमाणु हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वैश्विक शांति के लिए बड़ा खतरा है। सैन्य प्रौद्योगिकी में नए विकास, वैश्विक स्तर पर हथियारों के निर्यात के समझौतों का कमजोर होना और महाशक्तियों के बीच बढ़ती राजनीतिक और सैन्य प्रतिस्पर्द्धिता ने दुनिया को एक बेहद खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

कॉलेज आली छोरी होगी सैट कंडक्टर कै...गीत गाने वाले कलाकारों की मुश्किलें बढ़ीं

एजेंसी हिसार। ‘कॉलेज आली छोरी होगी सैट कंडक्टर कै’ के गायक कलाकारों की मुश्किलें बढ़ सकती है। हिसार में हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के नेतृत्व यह वीनस नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है ! और कीमत बहुत सस्ती है में कंडक्टरों ने शहर थाना में शिकायत देकर गायक कलाकारों पर उनकी छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। संगठनों ने कलाकारों पर कार्रवाई करने व गाने को यू-ट्यूब से हटाने की मांग उठाई है। हरियाणा रोडवेज सांझा संघर्ष समिति के नेतृत्व में कंडक्टरों की ओर से शहर थाना में दी गई शिकायत में कहा गया है कि गायक कलाकारों ने रोडवेज व परिचालकों की छवि धूमिल करने का प्रयास किया है। शिकायत के अनुसार हाल ही में एक हरियाणवी गाना, जिसका नाम ‘कॉलेज आली छोरी होगी सैट कंडक्टर कै’ रिलीज हुआ है। इसमें कंडक्टर के प्रति बहुत ही निंदनीय भाषा का प्रयोग किया गया है। इसके अलावा हमारी बहन-बेटियां, जो कॉलेज जाती है, उनके प्रति भी गलत टिप्पणियां की गई है, जिससे समाज में कंडक्टर व कॉलेज जाने वाली लड़कियों के प्रति गलत संदेश गया है। इससे जहां कंडक्टरों की छवि धूमिल हुई है वहीं बहन-बेटियों को भी ठेस पहुंची है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस गाने ने हमारी कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं।

हरियाणा सरकार का फैसला: 106 लैक्स में होगी मिट्टी के ऑर्गेनिक कार्बन की गहन जांच

चंडीगढ़। हरियाणा की भूमि को बंजर होने से बचाने के लिए सरकार ने एक फैसला लिया है, जिसके तहत प्रदेश में ‘ऑर्गेनिक कार्बन एनालिसिस’ किट खरीदी जाएंगी ताकि अब सटीक रूप से यह पता चल सके कि किसान के किस खेत में कितना ऑर्गेनिक कार्बन मौजूद है। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने चंडीगढ़ में यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार की इस विशेष मुहिम का मुख्य उद्देश्य खेतों की सेहत को सुधारना और जमीन को बंजर होने से रोकना है। उन्होंने ‘ऑर्गेनिक कार्बन एनालिसिस’ किट खरीदने के लिए आज हाई पाॅवर्ड परचेज कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे, जबकि विभागीय अधिकारियों की तरफ से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र कुमार सहित कई अन्य उच्च अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक के विवरण और सरकार की योजना को साझा करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि प्रदेश सरकार ने कुल 332 ऑर्गेनिक कार्बन एनालिसिस किट की खरीद को मंजूरी दे दी है, जिन पर राज्य सरकार द्वारा लगभग 2.5 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जाएगी।

हरियाणा के 17 जिलों में खुलेंगी 350 अटल लाइब्रेरी

चंडीगढ़। हरियाणा के गांव अब केवल चौपाल और पंचायत तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पढ़ाई, प्रतियोगी तैयारी और डिजिटल सीख का नया पता बनने जा रहे हैं। ग्रामीण युवाओं और विद्यार्थियों को शहरों जैसी अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार बड़ा कदम उठाते जा रही है। प्रदेश के 17 जिलों में एक साथ 350 नई अटल लाइब्रेरी शुरू की जाएंगी।करीब 44 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की जा रही यह पहल सिर्फ लाइब्रेरी खोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य गांवों में अध्ययन संस्कृति को मजबूत करना और युवाओं को प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराना है। सरकार ने इसके लिए नया मॉडल अपनाया है। नए भवन बनाने के बजाय ग्राम पंचायतों के ऐसे भवनों और कमरों को चुना गया है जो खाली पड़े थे या सीमित उपयोग में आ रहे थे। इन लाइब्रेरी में स्कूल पाठ्यक्रम से जुड़ी पुस्तकों के साथ प्रतियोगी पोरीशओं की तैयारी सामग्री, सामान्य ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और बच्चों के लिए विशेष साहित्य उपलब्ध रहेगा। साथ ही डिजिटल संसाधनों और ऑनलाइन अध्ययन के लिए भी सुविधाएं विकसित की जाएंगी ताकि गांव का विद्यार्थी भी बदलते शिक्षा मॉडल से जुड़ सके। इससे पहले 25 दिसंबर, 2025 को अटल सुशासन दिवस के अवसर पर 250 अटल लाइब्रेरी शुरू की गई थी, जबकि बाद में विभिन्न जिलों में 268 और लाइब्रेरी संचालन में लाई गईं। अब 350 नई इकाइयों के साथ यह नेटवर्क और व्यापक होने जा रहा है।

हरियाणा की नर्सिंग ऑफिसर ने महिला आयोग अध्यक्ष के खिलाफ खोला मोर्चा

चंडीगढ़। कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी सरकारी अस्पताल से जुड़ा विवाद अब और भी गहरा गया है। नर्सिंग संगठनों ने हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की कथित टिप्पणियों को लेकर विरोध का स्वर तेज कर दिया है। इसी कड़ई में हरियाणा के स्वास्थ्य संस्थाओं में 9 जून को दो घंटे की पेन ड्राउन हड़ताल का ऐलान किया गया है। नर्सिंग ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष विनीता बांगड़ ने चंडीगढ़ में बताया कि 7 जून को स्थितल अस्पताल कुरुक्षेत्र में एक मामले की जांच के दौरान नर्सिंग अधिकारियों के प्रति अभद्र व्यवहार और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई, जिससे पूरे नर्सिंग समुदाय की भावनाएं आहत हुईं हैं। संगठन ने कहा कि नर्सिंग स्टाफ पर लगाए गए आरोप तथ्यों से मेल नहीं खाते और पूरे नर्सिंग केडर को एक साथ कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं है।

हरियाणा में सड़क की धूल कम करने को सीएसआईआर-सीआरआरआई और राज्य सरकार के बीच समझौता

एजेंसी चंडीगढ़/नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण और सड़क की धूल की समस्या से निपटने के लिए हरियाणा सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्- केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआरआरआई) और हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत शहरी सड़कों पर धूल नियंत्रण, हरित विकास और आधुनिक सड़क अवसंरचना को बढ़ावा दिया जाएगा। इस परियोजना में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर का सहयोग लिया जाएगा और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग का मार्गदर्शन लिया जाएगा।

परियोजना के तहत चार प्रमुख क्षेत्रों पर काम किया जाएगा— शहरी सड़कों के मानक विकसित करना, सड़क किनारे हरित पट्टियां विकसित कर धूल नियंत्रण, रोड एसेट मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए रखरखाव

में सुधार तथा सड़क निर्माण और मरम्मत में नई तकनीकों का उपयोग। एसपीए में आयोजित समझौता ज्ञापन समारोह में सीएसआईआर -



सीआरआरआई के निदेशक डॉ. रवि शंकर ने कहा कि सड़क धूल को कम करने और शहरी वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपायों की आवश्यकता है।

वहीं, हरियाणा के शहरी स्थानीय

आधुनिक ‘एस्पिरेशनल टॉयलेट’ का उद्घाटन किया। भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार के संयुक्त वित्तीय सहयोग से विकसित यह परियोजना स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय

विकसित भारत के संकल्प में सभी का सहयोग जरूरी: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

एजेंसी चंडीगढ़। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि ‘विकसित भारत’ का संकल्प एक राष्ट्रीय संकल्प है, जिसमें देश के प्रत्येक नागरिक और संस्था को सहयोग करना होगा। यह बात लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा विधान सभा के चैम्बर में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन इंडिया रीजन जोन-2 (नॉर्थ जोन) कॉन्फ्रेंसल के उद्घाटन सत्र में कही। उन्होंने कहा कि इस संकल्प को साकार करने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि हमारी नीतियां, योजनाएं, कार्यक्रम और बजटीय प्रावधान समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले हों। इस अवसर पर राज्य सभा के उप सभापति हरिवंश, हरियाणा के मुख्य मंत्री नायब सिंह, हरियाणा विधान सभा

पुलिस महानिरीक्षक ने मादक द्रव एवं नशीले प्रदार्थ मालखाना का किया निरीक्षण



एजेंसी जौदा। पुलिस महानिरीक्षक हिसार रेंज हिसार कुलदीप सिंह यादव जींद पहुंचे और उनके द्वारा पुलिस लाइन जींद स्थित मालखाना का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत मादक पदार्थों का वजन भी तुलुवाया और विस्तृत रूप से जांच की। उन्होंने समस्त अभिलेखों का बारीकी से अवलोकन किया। आईजीपी ने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता व जवाबदेही पुलिस कार्यप्रणाली की पहली प्राथमिकता है।

श्रम मंत्री अनिल विज का नई श्रम संहिताओं पर सुझाव, पूरे देश में लागू हों एक समान नियम

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से दिल्ली से आयोजित बैठक में भाग ले रहे थे। इस बैठक में पूरे देशभर से राज्यों व यूटी प्रशासन के श्रम मंत्रियों सहित सचिवों ने भाग लिया। बैठक के दौरान विज ने वेतन संहिता- 2019, औद्योगिक संबंध संहिता- 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता- 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल परिस्थितियां संहिता- 2020 को विज आज चण्डीगढ़ में केंद्रीय

के अध्यक्ष हरविन्द कल्याण, हरियाणा सरकार के संसदीय कार्य मंत्री महिपाल



ढांडा सहित राज्य सरकार के अन्य मंत्री और विधान सभा सदस्य उपस्थित रहे। दो दिवसीय सीपीए इंडिया रीजन जोन-टू (नॉर्थ जोन) कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन

सत्र में देश के 12 राज्यों की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों

ने हिस्सा लिया। इसमें हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों के अतिरिक्त

सत्र में देश के 12 राज्यों की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों

सीपीए सम्मेलन में पहुंचे देशभर के दिग्गज, राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने किया सम्मान

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा के लोक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में द्वितीय कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया रीजन जोन-II नॉर्थ जोन कॉन्फ्रेंस में शामिल होने देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों एवं विशिष्ट प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। हरियाणा विधानसभा द्वारा 8 से 10 जून, 2026 तक चंडीगढ़ में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के प्रमुख संसदीय नेता, विधायक एवं विधानमंडलों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य संसदीय सहयोग को सुदृढ़ करना, विधायी एवं संसदीय कार्यप्रणाली से जुड़ी श्रेष्ठ परंपराओं के आदान-प्रदान को

अन्य राज्यों, जैसे—मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश सिक्किम और पश्चिम बंगाल की विधायिकाओं के पीठासीन अधिकारियों ने भी सहभागिता की। बिरला ने कहा कि दुनिया के विकसित देशों में हो रहे परिवर्तनों का बारीकी से अध्ययन करते हुए भारत ने अपनी सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप समय-समय पर आवश्यक और व्यावहारिक बदलाव किए हैं। लोक सभा अध्यक्ष ने आह्वान किया कि देश में ऐसा जनआंदोलन खड़ा होना चाहिए जिससे प्रत्येक नागरिक यह महसूस कर सके कि विकसित भारत के निर्माण में उसका भी अमूल्य योगदान है। लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव भी दिया कि हमारे विधानमंडलों में बनने वाली नीतियां और कानून नई पीढ़ी की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए।

संरक्षण एवं सतत विकास के संकल्प के अनुरूप सभी प्रतिनिधियों को भवन तक इलेक्ट्रिक बस के माध्यम से यात्रा कर पहुंचे : यह पहल कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राज्यपाल

बढ़ावा देना तथा शासन एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विमर्श को प्रोत्साहित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पर्यावरण



संरक्षण एवं सतत विकास के संकल्प के अनुरूप सभी प्रतिनिधियों को भवन तक इलेक्ट्रिक बस के माध्यम से यात्रा कर पहुंचे : यह पहल कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राज्यपाल

हांसी पुलिस के बेड़े में शामिल हुए 10 नए राइडर वाहन, एसपी ने दिखाई हरी झंडी

एजेंसी हांसी। जिले में अपराध नियंत्रण और आमजन को त्वरित पुलिस सहायता देने के लिए हांसी पुलिस को 10 नए राइडर वाहन मिले हैं। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने जिला सचिवालय में हरी झंडी दिखाकर वाहनों को खाना किया। एसपी विनोद कुमार ने कहा कि इन राइडर वाहनों के शामिल होने से पुलिस की आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और अधिक मजबूत होगी। इनका मुख्य उपयोग डायल-112 पर आने वाली कॉलों पर तुरंत कार्रवाई के लिए किया जाएगा। ये राइडर वाहन शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की संकरी व तंग गलियों तक भी आसानी से पहुंच सकेंगे। इससे घटनास्थल पर कम समय में पुलिस की मौजूदगी सुनिश्चित होगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नए वाहनों से अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने और आमजन को समय पर पुलिस सहायता देने में मदद मिलेगी। इससे पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ेगी और सुरक्षा को लेकर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। हांसी पुलिस बेहतर पुलिसिंग के लिए लगातार प्रतिबद्ध है।



द्वारा सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण, पश्चिम बंगाल विधानसभा

सहित विभिन्न राज्य विधानसभाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य पीठासीन अधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश तथा हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण ने लोक भवन परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास का संदेश दिया। कार्यक्रम में हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष, हरियाणा के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी, हरियाणा के संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण पंवार सहित सीपीए इंडिया रीजन जोन-II की पांच विधानसभाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, विधायक एवं विधान परिषद सदस्यों ने भी भाग लिया।

अध्यक्ष रथीन्द्र बोस, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, पंजाब विधानसभा अध्यक्ष सरदार कुलतार सिंह संधवा, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठाण्या तथा जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर

अध्यक्ष रथीन्द्र बोस, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, पंजाब विधानसभा अध्यक्ष सरदार कुलतार सिंह संधवा, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठाण्या तथा जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर

अध्यक्ष रथीन्द्र बोस, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, पंजाब विधानसभा अध्यक्ष सरदार कुलतार सिंह संधवा, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठाण्या तथा जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर

हरियाणवी गायक पेप्सी शर्मा का निधन, राष्ट्रीय लोक दल ने जताया दुख

एजेंसी चंडीगढ़ । हरियाणवी लोक संगीत जगत से दुखद खबर सामने आई है। लोकप्रिय रागिनी गायक पेप्सी शर्मा का निधन हो गया है। उन्हें सीने में दर्द की शिकायत होने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सुनकर परिवार, प्रशंसकों और संगीत जगत से जुड़ी हस्तियां आहत हैं। पेप्सी शर्मा के निधन पर राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने शोक व्यक्त किया है। पार्टी ने सोशल सांस ली। उनके निधन की खबर सुनकर परिवार, प्रशंसकों और संगीत जगत से जुड़ी हस्तियां आहत हैं। पेप्सी शर्मा के निधन पर राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने शोक व्यक्त किया है। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर उनकी तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि पेप्सी शर्मा ने अपनी रागिनियों से लोगों के दिलों में जगह बनाई थी। पार्टी ने उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें विम्वन श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी ने लिखा, ‘अपनी रागिनी के जरिए लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले प्रसिद्ध गायक पेप्सी शर्मा के निधन

का समाचार अत्यंत दुखद है। राष्ट्रीय लोक दल परिवार की तरफ से विनम्र श्रद्धांजलि एवं उनके परिजनों-प्रशंसकों के प्रति इस



मुश्किल घड़ी में संवेदनाएं। ‘ पेप्सी शर्मा अत्यंत मंददार स्वर और एनर्जेटिक मंच प्रस्तुतियों के लिए पूरे हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में लोकप्रिय थे। उनका असली नाम यशपाल शर्मा था और वह अमरोह जिले के पतला गांव के रहने वाले थे। पेप्सी शर्मा ने रागिनी गायन के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई और दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई।

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का स्वर्णिम अध्याय है : डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी चंडीगढ़। भाजपा के नवनिर्मित जिला कार्यालय ‘नमो कमल’ के भव्य उद्घाटन के उपरांत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने महेंद्रगढ़-नारनौल जिले के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ एक महत्वपूर्ण संभाटनात्मक बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल, ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई तथा आगामी दिनों में चलाए जाने वाले जनसंपर्क अभियानों को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया, जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में आगामी संघाटनात्मक गतिविधियों, बृ्थ स्तर पर मजबूती और जनसंपर्क कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई तथा कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। मोदी सरकार के 12 वर्ष केंद्रल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य करें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की वास्तविक ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, तपस्या और संगठन शक्ति के बल पर ही भारतीय जनता पार्टी आज विश्व का

तारु देवीलाल टाउन पार्क में 30 लाख की लागत से बने ‘एरिपरेशनल टॉयलेट’ का मंत्री गौरव गौतम ने किया उद्घाटन

ज्योति दर्पण पलवल। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने नगर परिषद पलवल के वाड नंबर-12 स्थित तारु देवीलाल टाउन पार्क में लगभग 30 लाख रुपये की लागत से निर्मित

समूदाय एवं दिव्यांगजनों के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि इस आधुनिक सार्वजनिक शौचालय परिसर में पुरुषों,

करना नहीं, बल्कि ऐसे सार्वजनिक स्वच्छता परिसरों का विकास करना है जो स्वच्छता, सुरक्षा, सुविधा और सम्मान के उच्च मानकों पर आधारित है परियोजना खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल शौचालयों का निर्माण

(एमओएचयूए) के दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार की गई है। स्वच्छता, सुरक्षा और सम्मान के उच्च मानकों पर आधारित है परियोजना खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल शौचालयों का निर्माण

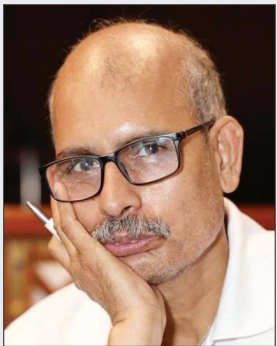
समूदाय एवं दिव्यांगजनों के लिए अधिक सुरक्षित और समावेशी वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि इस आधुनिक सार्वजनिक शौचालय परिसर में पुरुषों,

खरखवा समग्री के सुरक्षित भंडारण के लिए स्टोर रूम का भी निर्माण किया गया है। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि एरिपरेशनल टॉयलेट जैसी सुविधाएं खुले में मूत्र त्याग जैसी स्वास्थ्यकर प्रवृत्तियों को कम

करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने तथा ओडीएफ प्लस जैसे स्वच्छता मानकों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यह सुविधा आमजन के लिए है।

विपक्ष की नई हुंकार ,आईएनडीआईए गठबंधन सरकार को घेरने की तैयारी में सफल होगा?



विनोद कुमार सिंह

बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रदेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है।

संपादकीय

पहले आम को राहत

आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तेजी से अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। अमेरिका-इराह्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष से उपजा भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि, बाधित व्यापार मार्ग से प्रभावित आपूर्ति शृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये नई चुनौतियां खड़ी कर रही है। ऐसे में देश के लिये प्राथमिकता केवल विकास की गति बनाये रखना ही नहीं होनी चाहिए। सरकार का दायित्व है कि आम लोगों को महंगाई की मार से बचाने के लिये व्यावहारिक कदम भी उठाये। दरअसल, भारत के सामने केवल मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से उपजा संकट ही नहीं है, बल्कि अंदरूनी मोर्चे पर भी कई तरह की दिक्कतों पैदा हो रही हैं। हाल ही में केंद्रीय बैंक ने देश में मास्रूम में कमी की आशंका जतायी है। ऐसा अलग-नीने के प्रभाव के चलते पैदा होने वाले विषम हालातों के चलते कहा गया है। जिसके चलते आगामी कुछ माह में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। ऐसे में महंगाई में कमी आने की सूरत नजर नहीं आती। देश के कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि फिलहाल सरकार की प्राथमिकता आर्थिक विकास में वृद्धि ही है। जिसके चलते आशंका जतायी जा रही है कि इससे नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था में सुधार होना चाहिए, लेकिन वक्त की नज़ाकत को देखते हुए आम आदमी को महंगाई से राहत देना बेहद जरूरी है। अन्यथा आम लोगों का जीवन-यापन और अधिक कष्टकारी भी हो सकता है। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि सरकार आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं व महंगाई नियंत्रण के प्रयासों के बीच संतुलन साधने का प्रयास करे। लेकिन पिछले दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कई बार की वृद्धि के बाद व्यावसायिक व घरेलू एलपीजी के दामों का बढ़ना, लोगों की चिंता बढ़ाने वाला है। जाहिर बात है कि इस वृद्धि से पहले ही महंगाई से जूझते लोगों का बजट और गड़बड़ा जाएगा।

निस्संदेह, पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के बाद कुकिंग गैस के दामों की वृद्धि आम आदमी का बजट बिगाड़ने वाली है। फलतः लोगों की क्रय शक्ति कम हो रही है। वहीं आर्थिकी में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ने की आशंका है। इस उथल-पुथल पर वैश्विक परिदृश्य में कुछ कारक देश की अर्थव्यवस्था को संबल देने वाले भी हैं। देश में घरेलू मांग मजबूत है, संरचनात्मक विकास में निवेश जारी है। वहीं तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था हमारी ताकत भी है। जिससे हम एक सीमा तक वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हमारे आयात बिलों पर दबाव बढ़ा रही हैं। जिसका प्रभाव रुपये पर भी बढ़ते दबाव के रूप में सामने आया है। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों को लुभाने के लिये केंद्रीय बैंक प्रयासरत है, लेकिन बाजार के पटरी पर आने में कुछ वक्त अवश्य लगेगा। आरबीआई का विश्वास है कि निवेश नियमों में ढील से पूंजी के प्रवाह को प्रोत्साहन मिलेगा। केंद्रीय बैंक की प्राथमिकताओं में आर्थिक स्थिरता कायम करना, रुपये को संबल देना और देश की वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाये रखना भी है। बैंक की कोशिश है कि विकास को प्रभावित किए बिना ही आर्थिक स्थिरता लाने का प्रयास हो। निस्संदेह, नीति-निर्याताओं के सामने आर्थिक विकास को गति देने के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये दोनों में संतुलन बनाने की जरूरत है। हम विकास और रोजगार को संरक्षण देते हुए महंगाई को नियंत्रित करते का प्रयास करें। जिसके लिये राजकोषीय विवेक, कमजोर वर्ग के लोगों को संबल तथा संरचनात्मक सुधार प्राथमिकता हैं।

चिंतन-मनन

सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनिए और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा, मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थपड़ तो नहीं मारी। और यदि कोई थपड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थपड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं।

तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुःख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुःख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है। शिष्य के वचन सुनकर बुद्ध बोले-तुम धन्य हो। वास्तव में तुम सच्चे साधु हो। सच्चा साधु किसी भी दशा में दूसरे को बुरा नहीं समझता। जो दूसरों में बुराई नहीं देखता, वही सच्चा परित्राजक होने के योग्य है। मुझे विश्वास है तुम सदैव धर्म के मार्ग पर चलोगे।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता और विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के दो मजबूत स्तंभ माने जाते हैं। सत्ता जहां नीतियों और योजनाओं के माध्यम से देश को दिशा देने का प्रयास करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा कर जनता की आवाज को बुलंद करने का दायित्व निभाता है।इसी परिप्रेक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित आई एन डी आई ए गठबंधन की हालिया बैठक राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बैठक में विपक्षी दलों ने न केवल अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया, बल्कि आने वाले समय के लिए एक साझा राजनीतिक एजेंडा भी तय किया।लोकसभा चुनाव2024 के बाद से आईएनडीआईए गठबंधन कई उतार-चढ़ावों से गुजरा है।कई राजनीतिक विक्षेपकों का मानना था कि चुनाव के बाद गठबंधन की सक्रियता कम हो जाएगी, किंतु हालिया बैठक ने यह संदेश दिया है कि विपक्ष अभी भी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को लेकर गंभीर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने देश की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रदेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है। जब युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं, तब यह केवल एक प्रशासनिक चुनौती नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है। बैठक में बेरोजगारी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है, किंतु



रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध न होने की शिकायत लगातार उठती रही है। सरकारी आंकड़े विकास की कहानी कहते हैं तो दूसरी ओर अनेक युवाओं की बेचैनी यह संकेत देती है कि रोजगार सृजन को लेकर अभी भी व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। विपक्ष ने इसी प्रश्न को अपने राजनीतिक अभियान का महत्वपूर्ण आधार बनाने का निर्णय लिया है। महंगाई भी उन मुद्दों में शामिल रही जो आम नागरिक के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। रसोई गैस, खाद्य पदार्थों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विपक्ष का मानना है कि इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा और ठोस समाधान की आवश्यकता है। यही कारण है कि उसने केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है ताकि इन विषयों पर व्यापक सहमति और समाधान का रास्ता निकाला जा सके।

किसानों के प्रश्न भी बैठक के केंद्र में रहे। भारत की बड़ी

आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में तकनीकी प्रगति और सरकारी योजनाओं के बावजूद किसानों की आय, लागत और बाजार से जुड़े प्रश्न समय-समय पर सामने आते रहे हैं।विपक्ष ने किसानों की समस्याओं को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया है। बैठक का एक महत्वपूर्ण पहलू चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर भी रहा। विपक्षी दलों ने चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता के प्रश्नों को उठाने का निर्णय लिया है। लोकतंत्र में चुनावों की विश्वसनीयता सर्वोच्च महत्व रखती है और यही कारण है कि इस विषय पर राजनीतिक दलों की संवेदनशीलता स्वाभाविक है। राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा किआईएनडीआईए गठबंधन अब नियमित अंतराल पर बैठकें करेगा। हर दो महीने में बैठक आयोजित करने और अगली बैठक हैदराबाद में 8 अगस्त को करने का निर्णय इस बात

भतीजे अभिषेक के मोह में ममता दीदी की पार्टी बिखर गयी

जुड़ी जानकारी के अनुसार बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र भेजकर संसद में अलग बैठने और मान्यता देने की मांग की है। इस पूरे घटनाक्रम में टीएमसी सांसद काकुली घोष, सुवंदु अधिकारी और अन्य नेताओं का नाम सामने आ रहा है। आपको पता रहे कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उम्मेद बनानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संरभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। आपको बता दें सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी प्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर

सीट से भाजपा के सुवंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है। ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं। आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रही ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपनी राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और हढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी। ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया।

का संकेत है कि विपक्ष अपनी गतिविधियों को संस्थागत स्वरूप देना चाहता है। यह केवल एक राजनीतिक बैठक नहीं, बल्कि विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी गठबंधन की सफलता केवल बैठकों और प्रस्तावों से सुनिश्चित नहीं होती। जनता अंततः परिणामों, विश्वसनीयता और वैकल्पिक दृष्टिकोण को महत्व देती है। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह केवल सरकार की आलोचना तक सीमित न रहे, बल्कि देश के सामने विकास, रोजगार, शिक्षा, कृषि और आर्थिक प्रगति का एक स्पष्ट वैकल्पिक खाका भी प्रस्तुत करे। दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, अवसरंचना विकास अभूतपूर्व गति से हो रहा है और करोड़ों लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी महीनों में सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस और अधिक तीखी होने की संभावना है।

नई दिल्ली में हुई आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल विपक्षी दलों का जमावड़ा नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक संघर्षों की रूपरेखा भी है। शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, किसान और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े प्रश्नों को केंद्र में रखकर विपक्ष ने अपनी दिशा तय कर दी है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या यह साझा एजेंडा जनता के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त कर पाता है या नहीं। लोकतंत्र में सशक्त सरकार जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक एक सक्रिय और उत्तरदायी विपक्ष भी है। आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसी लोकतांत्रिक परंपरा को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, जिसके प्रभाव आने वाले महीनों में राष्ट्रीय राजनीति में स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)



मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि अति सर्वत्र वर्जिते यानि इंसान का अपने ज्ञान और ताकत पर अधिक घमंड पतन का कारण बन जाता है ममता बनर्जी के साथ भी यही हुआ है दीदी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को वनमैन शो बतौर माना और अपने साथियों को फोलोवर समझा यही उनके खिलाफ असंतोष का कारण बन गया दीदी अपने पार्टी के कुनवे को ही संभाल कर नहीं रख सकी सत्ता से बुरा होते ही उनके खास सिपहसलार ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं दरअसल भतीजे अभिषेक बनर्जी का मोह और अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने की चाहत इस असंतोष के पीछे की खास वजह बन गई। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।ताजा घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस में एक बड़ा राजनीतिक संकट सामने आया है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर दी है और एनडीए के साथ गठबंधन करने की इच्छा व्यक्त की है।इस विभाजन और दलबदल से

नेत्रदान: अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संस्थाभों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है। भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण त्यथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चरमा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकारी स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह श्राति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया

अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती। नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चरमा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती है। दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है। सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा के आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरान्त नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता

है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आर्थिक दौरे के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान 'साइट फस्ट' दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वेच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतिवाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के क्षणों स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरान्त नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता

संक्षिप्त समाचार

इंग्लैंड के वर्ल्ड कप बेस कैप के पास फायरिंग में 9 घायल

कैनसस सिटी , एंजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में इंग्लैंड की फीफा वर्ल्ड कप-2026 बेस कैप साइट के पास शनिवार को गोलीबारी हुई, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। घटना ऐसे समय हुई है जब उत्तरी अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप-2026 शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। गोलीबारी कैनसस सिटी स्थित स्वीप सॉकर विलेज के करीब हुई, जिसे वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम का ट्रेनिंग बेस कैप बनाया गया है। घटना स्थल बेस कैप से करीब 4 मील दूर बताया गया है। हालाँकि, इंग्लैंड की टीम अभी वहां नहीं पहुंची है। टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलैंड में कोस्टा रिका के खिलाफ प्री-टूर्नामेंट फ्रैंडली मैच खेलेगी। कैनसस सिटी पुलिस के अनुसार फायरिंग में घायल सभी 9 लोगों की जान को कोई खतरा नहीं है। इनमें से कम से कम 3 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी संदिग्ध को गिरफ्तार नहीं किया गया है और जांच जारी है। इंग्लैंड वर्ल्ड कप-2026 में ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेल रहा है। टीम अपना पहला मुकाबला 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगी। 1966 की विश्व चैंपियन इंग्लैंड इस बार दूसरा विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

बांग्लादेश में आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म-हत्या में दंपती को मृत्युदंड

ढाका, एंजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में एक दंपती को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया। अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा बताया है। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का एलान किया। जस्टिस मसरुर सालेकिन ने रविवार को सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई और क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी निजी वकील दंपती की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके कारण अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया। बांग्लादेशी कानून के तहत, निवृत्ती अदालतों की ओर से दी गई मौत की सजा को अमल में लाने से पहले उच्च न्यायालय की ओर से फैसले की समीक्षा और पुष्टि किया जाना जरूरी है।

उत्तरी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना का ऑपरेशन, 27 आतंकियों के मारे जाने का दावा ; सुरक्षा हालात तनावपूर्ण



इस्लामाबाद, एंजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 27 आतंकवादियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 72 घंटों में कई खुफिया-आधारित अभियानों के तहत की गई। पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, यह ऑपरेशन मीर अली और मीरानशाह इलाकों में आतंकियों के ठिकानों पर केंद्रित था। कई ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई की। इस दौरान भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 27 आतंकवादी मारे गए। इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारुद भी बरामद किया गया है। बताया गया है कि ये आतंकी कई आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। निर्दोष नागरिकों की हत्या में शामिल थे आतंकी आईएसपीआर के बयान के अनुसार, मारे गए आतंकियों पर निर्दोष नागरिकों की लश्कित हत्याओं में शामिल होने का आरोप था। सुरक्षा बलों ने उन्हें विदेशी समर्थित आतंकवाद से जुड़ा बताया है। सेना ने यह भी दावा किया कि इस ऑपरेशन के दौरान स्थानीय नेता शहीद मलिक सैफुल्लाह दावर की हत्या का बदला भी लिया गया। मीरानशाह में हुई इस घटना के जिम्मेदार आतंकियों को इस कार्रवाई में मार गिराया गया। आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेगा सुरक्षा एजेंसियों ने कहा है कि इलाके में अभी भी तलाशी और सफाई अभियान जारी है, ताकि किसी भी छिपे हुए आतंकी को खत्म किया जा सके। पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सरकार का लक्ष्य देश से विदेशी समर्थित आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करना है।

टूट गया सीजफायर? ईरान ने इस्त्राइल पर दार्गी मिसाइलें, तेहरान में एयरस्पेस बंद; सऊदी में खतरा टला

तेहरान / तेल अवीव, एंजेंसी। इस्त्राइल ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर मिसाइलों से हमला किया है। अप्रैल की शुरुआत में लागू हुए युद्धविराम के बाद यह पहली बार है जब ईरान की ओर से ऐसा हमला किया गया है। इस घटनाक्रम से युद्ध समाप्त करने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों को बड़ा झटका लग सकता है।

ईरान की मिसाइल बौखारों के बाद इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने दावा किया कि इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'कुछ देर पहले इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में ईरानी शासन के सैन्य ठिकानों पर हमला किया।' इजरायल ने दावा किया कि उसके लड़ाकू विमान ईरान के भीतर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे थे। इजरायल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एंजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान में कम से कम दो जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान अग्निशमन विभाग के हवाले से आईआरएनए ने बताया कि पश्चिमी तेहरान के निवासियों ने तड़के लगभग 4:43 बजे और 4:45 बजे दो धमाकों की आवाजें सुनीं। हालाँकि, शहर के किसी भी शहरी क्षेत्र में विस्फोट की पुष्टि नहीं हुई। आईआरएनए के अनुसार, इजरायली सेना ने दावा किया कि



इजरायली वायु सेना ने पश्चिमी और मध्य ईरान में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान से संबंधित कई सैन्य ठिकानों और केंद्रों को निशाना बनाया है। आईआरएनए के मुताबिक, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कौंसिल (आईआरजीसी) ने कहा कि इजरायल ने अपने नवीनतम हमलों में हवाई-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इजरायली सेना ने रविवार रात ईरान के हमलों की जानकारी देते हुए कहा था कि वह किसी भी संभावित मिसाइल हमले और आगे की कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है। आईडीएफ के प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने रविवार को कहा कि मिसाइलें दागकाई ईरान ने 'बहुत बड़ी गलती' की है। बीती रात ईरान ने इजरायल की ओर चार बार मिसाइलों की बौखार की थी। इसके बाद इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की। ईरान के नखफाबाद के पास इजरायली हमलों के बाद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। अल-मायादीन की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि सैन्य खुफिया जानकारी के आधार पर इजरायली वायु सेना ने

पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी : ईरान बोला- सऊदी एयर बेस पर हमने कोई मिसाइल नहीं दागी ईरान ने सऊदी अरब के अल-खाजं एयर बेस पर हमले की खबरों को खारिज कर दिया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईवी के मुताबिक एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि ईरान ने अल-खाजं एयर बेस की ओर कोई भी गोली या मिसाइल नहीं दागी है। यह बयान उस समय आया जब अल-खाजं इलाके में धमाके जैसी खबरें सामने आईं और सऊदी सिविल डिफेंस ने संभावित खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया था। अधिकारियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की थी। हालाँकि बाद में सऊदी अरब ने कहा कि खतरा टल गया है। फिलहाल घटना को लेकर तनाव बना हुआ है।

यमन की ओर से इस्त्राइल पर दागी गई मिसाइल : इस्त्राइल की सेना ने दावा किया है कि यमन की दिशा से उसकी सीमा की ओर एक मिसाइल

विदेश

दागी गई है। सेना के अनुसार मिसाइल का पता लगते ही रक्षा प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया और खतरे को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सिस्टम काम में लगाए गए। इस्त्राइली सेना ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या हाताहत की जानकारी सामने नहीं आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस हमले ने क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

सऊदी अरब ने हटायी अलर्ट, अल-खाजं में खतरा टला : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खाजं गवर्नरेंट में जारी संभावित खतरा का अलर्ट वापस ले लिया है। विभाग ने कहा कि अब स्थिति सामान्य है और खतरा टल चुका है। इससे कुछ देर पहले प्रशासन ने लोगों को घरों में रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी थी। हालाँकि अधिकारियों ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि खतरा किस प्रकार का था। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस अलर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी थी। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इलाके में निगरानी बनाए हुए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। सऊदी अरब में अलर्ट जारी सऊदी अरब के सिविल डिफेंस विभाग ने अल-खाजं गवर्नरेंट में संभावित खतरे को लेकर चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने और अगली सूचना तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

शीर्ष नेतृत्व में फूट की अटकलों को ईरान ने किया खारिज

तेहरान, एंजेंसी। हाल ही में अमेरिकी मीडिया ने दावा किया कि ईरान की सेना और शीर्ष नेतृत्व में सीजफायर मसौदे को लेकर भारी मतभेद है। अब देश के उप राष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इसे सिरे से नकारा है। उन्होंने इसे अफवाह करार दिया है। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रेजा आरेफ ने इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एंजेंसी (आईआरएनए) बातचीत में कहा कि देश के सभी वरिष्ठ अधिकारी वार्ता प्रस्तावों को लेकर पूरी तरह एकजुट हैं और बातचीत के मसौदे या प्रस्तावों पर किसी भी तरह के मतभेद की संभावना को खारिज किया है। आईआरएनए के अनुसार, ईरानी सीमा शुल्क प्रशासन के दौरे के दौरान आरिफ ने कहा कि अमेरिका के साथ वार्ताओं में तेहरान ने एक स्पष्ट और समन्वित रणनीति अपनाई है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने वार्ताओं में एक निश्चित रणनीति अपनाई है और सभी अधिकारियों ने पूर्ण समन्वय के साथ उसका पालन किया है। आरिफ ने आगे कहा कि वार्ता के पाठ और प्रस्तावों को लेकर अधिकारियों के बीच

'कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युद्ध और पिछले वर्ष 12-दिवसीय संघर्ष से ईरान ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव और सबक हासिल किए हैं। आरिफ के अनुसार, इन अनुभवों ने देश की निर्णय-प्रक्रिया और राष्ट्रीय रणनीतियों को और अधिक मजबूत बनाने में मदद की है। आरिफ का यह बयान ईरान और अमेरिका के बीच चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं के संदर्भ में आया है, जिनका उद्देश्य देश के खिलाफ अमेरिका-इजरायल द्वारा छेड़े गए युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हवाई हमले से शुरू हुआ था। आरिफ ने 'दो थोपे एग यूद्धों' के प्रबंधन में ईरान के अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने संकट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं। उन्होंने कहा कि युद्धकाल के दौरान कई नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और सरकारी अधिकारों का उपयोग कर आयात, माल की उतराई तथा सीमा शुल्क निकासी की प्रक्रिया को तेज किया गया।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, ईरान का खतरा काफी हद तक बेअसर हो गया है

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की सैन्य क्षमताएं काफी कमजोर हो गई हैं और यह संघर्ष 'अंतहीन युद्ध' नहीं बनेगा। उन्होंने तर्क दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका तेहरान के साथ परमाणु समझौते को सुरक्षित करने या सैन्य साधनों के माध्यम से अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के करीब है। एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब केवल अपने मिसाइल भंडार का एक छोटा सा हिस्सा ही बचा है। महीनों तक चली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान से उपन खतरा काफी हद तक कम हो गया है। ईरान की शेष सैन्य क्षमता में भी पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'शायद उनके पास 21-22 प्रतिशत मिसाइलें बची हैं। यह काफी संख्या में मिसाइलें हैं। लेकिन यह वैसी नहीं है, जैसी तब थी जब हमने पहली बार हमला किया था। जब उनसे



पूछा गया कि क्या अमेरिका एक और लंबे मध्य पूर्व संघर्ष में फंसने के खतरे का सामना कर रहा है, तो ट्रंप ने इस तुलना को खारिज कर दिया और कहा कि ईरान के खिलाफ चलाया गया अभियान इस क्षेत्र में पहले हुए अमेरिकी युद्धों से बहुत अलग है। उन्होंने कहा, 'मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं। यह कोई अंतहीन युद्ध नहीं है।' यह साक्षात्कार ऐसे समय हुआ जब संघर्ष को 100 दिन पूरे हो चुके थे और प्रशासन की दीर्घकालिक रणनीति और वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावनाओं पर सवाल उठते जा रहे थे। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य

अभियानों ने पहले ही प्रमुख लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमने उनकी सेना को पूरी तरह नष्ट कर दिया है, ईरान के अधिकांश ड्रोन कारखाने, प्रक्षेपण स्थल और मिसाइल उत्पादन ठिकाने नष्ट कर दी गई हैं। राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान की सैन्य अवसंरचना को भीषणता से पुनर्निर्मित करने की क्षमता को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने कहा, 'उन्हें पुनर्निर्माण में 15 या 20 साल लगेंगे। लेकिन मैं उन्हें यह मौका भी नहीं देने वाला। हम ईरान को परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते। और हम ऐसा होने नहीं देंगे। जब उनसे पूछा गया कि यदि वार्ता विफल हो जाती है तो पुनः सैन्य कार्रवाई किस आधार पर की जाएगी, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी लक्ष्यण और वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावनाओं पर सवाल उठते जा रहे थे। ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी सैन्य

पाऊंगा।' राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि वार्ता समापन के करीब है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं, अगर कूटनीति विफल रही, तो हम इसे सैन्य रूप से समाप्त कर देंगे। ट्रंप ने उन सुझावों को भी खारिज कर दिया कि यह संघर्ष नए युद्धों से बचने के उनके लंबे समय से चले आ रहे चुनावी वादे के विपरीत है। उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ भी वादा नहीं किया था। मुझे ये अंतहीन युद्ध पसंद नहीं हैं, यह अभियान आवश्यक था, क्योंकि ईरान परमाणु हथियार हासिल करने की ओर बढ़ रहा था। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें किस बात का भरोसा है कि संघर्ष दलदल में नहीं बदलेगा, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम उस स्थिति में नहीं पहुंचने वाले हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका 'लगातार तैयार' है और उसे या तो एक 'मजबूत समझौता' या टकराव का निर्णायक निष्कर्ष मिलने की उम्मीद है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच दोबारा मतदान की मांग, सड़कों पर उतरे हजारों प्रदर्शनकारी

सियोल , एंजेंसी। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में पिछले सप्ताह हुए स्थानीय चुनावों में कथित धांधली के दावों ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी के पूर्वी हिस्से में स्थित सोंगपा जिले के एसके ओलंपिक हैडक्वार्टर जिम्नेजियम के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पिछले तीन दिनों से डेरा डाले हुए हैं। इन प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट रूप से मानना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और वे अब नए सिरे से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने किया धाराव : जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर तक लगभग 3,000 लोग धरना स्थल पर जमा थे, हालाँकि शनिवार को यह संख्या 30,000 के करीब पहुंच गई थी। प्रदर्शनकारियों ने जिम्नेजियम परिसर के सभी आठ प्रवेश द्वारों को घेर रखा है ताकि अंदर रखी मतपेटियों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके। वे लगातार चुनाव दोबारा कराने के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच शनिवार को करीब 20 से 30 चुनाव अधिकारी वहां से निकलने में कामयाब रहे लेकिन राष्ट्रीय चुनाव आयोग (एनईसी) ने अब तक इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बैलेट पेपर की कमी : राजधानी सियोल में चुनाव के दौरान अव्यवस्था की खबरें बुधवार को ही सामने आने लगी थीं, जब सियोल के सोंगपा और गंगम जैसे प्रमुख क्षेत्रों सहित 12 से अधिक



मतदान केंद्रों पर बैलेट पेपर कम पड़ गए थे। इस कमी के कारण कई घंटों तक मतदान रोकना पड़ा और निराश होकर कई मतदाता बिना वोट डाले ही वापस लौट गए। इस प्रशासनिक विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रीय चुनाव आयोग के अध्यक्ष रोह ताए-अक और महासचिव हेओ चेओल-हून ने शुक्रवार को अपने पदों से इस्तीफा की पेशकश कर दी है। मुख्य विपक्षी दल, पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) ने इस निरोध प्रदर्शन को 'शांतिपूर्ण नागरिक प्रतिरोध आंदोलन' करार दिया है। पार्टी नेता जांग डॉंग-ह्योक ने नेशनल असेंबली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मांग की है कि केवल जांच या अधिकारियों को बदलने से अपना का गुस्सा शांत नहीं होगा, बल्कि दोबारा चुनाव ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने राष्ट्रपति ली जे-युंग से इस मुद्दे पर तत्काल वार्ता का प्रस्ताव रखा है। विपक्ष ने राष्ट्रपति को चेतावनी भी दी है कि यदि वे इस संकट को सुलझाए बिना अपनी निर्धारित यूरोप यात्रा पर जाते हैं, तो उन्हें और अधिक व्यापक जन-विरोध का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रपति ली जे-युंग ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए इस पूरी घटना पर खेद जताया है।

गाजा में इस्त्राइली हमलों में नौ फलस्तीनियों की मौत; बेन ग्वीर के सोशल मीडिया पोस्ट पर छिड़ा विवाद

नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारे नियंत्रण में गाजा का 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र है और जल्द ही हम 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएंगे।' नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्त्राइल हमاس को दोबारा हथियार जुटाने या इस्त्राइल को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं देगा। वहीं, अमेरिका द्वारा गठित बोर्ड ऑफ पीस के प्रमुख ने पिछले महीने माना था कि युद्धविराम प्रक्रिया का अगला चरण फिलहाल रुका हुआ है। इसका सबसे बड़ा कारण हमस को निरस्त्र करने के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति न बन पाना बताया गया है।

हमलावर को मारने के बाद मंत्री का वीडियो विवादों में : एक अलग घटना में इस्त्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सुरक्षा बलों की सराहना की, जिन्होंने एक हमलावर को मार गिराया था। इस्त्राइल के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री

इतामार बेन-ग्वीर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह मृत हमलावर के शव के पास खड़े दिखाई दिए। वीडियो में बेन-ग्वीर ने कहा, 'हर आतंकवादी का यही अंत होना चाहिए।' बेन-ग्वीर हाल ही में फलस्तीनी हमलावरों के लिए मृत्युदंड लागू करने संबंधी कानूनी को आगे बढ़ाने की कोशिश कर चुके हैं। हालाँकि इस कानून को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बेन-ग्वीर इससे पहले भी कई विवादित वीडियो और बयानों को लेकर आलोचनाओं में रहे हैं। गाजा की समुद्री नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी से जुड़े उनके वीडियो में भी काफी विवाद हुआ था। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैक में भी हिंसा में तेजी आई है। इस्त्राइल ने वहां सैन्य अभियानों को बढ़ाया है, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमान



सैंटो डोमिंगो , एंजेंसी। डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत हुए बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार आपातकालीन से दोनों सदस्यों की मौत हो गई।

दुर्घटना का मंजर विचलित करने वाले : प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई।

विमान में सवार पायलट और सह-पायलट की मौत : डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएस) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह-पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था।

इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएस ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था।

टेक्सास जा रही थी फ्लाइट : मोडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की वीडियो में विमान के बाईं तरफ के कारण हुई दुर्घटना? विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी। विमान में आई गंभीर यांत्रिक खराबी के कारण आपात स्थिति की सूचना दी गई। उस समय विमान ला रोमाना से लगभग 16 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में था। हादसे की आशंका को देखते हुए पायलटों ने विमान को तत्काल नजदीकी वापस हवाई अड्डे पर लाने का प्रयास किया। आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करने के दौरान विमान क्रैश हो गया।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई बिल्डिंग गिरीं:एक की मौत

मनीला, एंजेंसी। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस के भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 मी है, जबकि स्तर ने 5.5 किलोमीटर गहराई दर्ज की। पैंसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1

मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है।

जनरल सैंटोस के पास था भूकंप का केंद्र : फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर थी। भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:37 बजे आया, जिससे पूरे क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए।

भूकंप के बाद कई इलाकों में बिजली गुल : जनरल सैंटोस सिटी पुलिस के मास्टर सार्जेंट रॉबर्ट डेान ने बताया कि कई भवन प्रभावित हुए हैं और राहत-बचाव का काम लगातार जारी है। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी चली गई। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। जनरल सैंटोस सिटी प्रशासन ने दुकानों और



इमारतों को पहुंचे भारी नुकसान की तस्वीरें जारी की हैं। सरगांनी प्रांत के अलाबेल कस्बे के पुलिस प्रमुख बेजी एंचेटा ने बताया कि पुलिस स्टेशन की इमारत में भी दरारे आ गई हैं। एंचेटा ने रॉयटर्स से कहा, 'यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है जिसे हमने यहां महसूस किया है।' उनके मुताबिक झटकों के दौरान कुछ लोग डर के कारण बेहोश हो गए।



फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकार एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह फिलीपींस भूकंप संस्थान के प्रमुख

ट्रेसिस्टो बाकोलकोल ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों या ऊंचे इलाकों में जाने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और राहत एवं बचाव दल को अलर्ट कर दिया गया है।

सुनामी का अलर्ट जारी : भूकंप के तुरंत बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कई देशों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया। केंद्र ने चेतावनी दी कि अगले तीन घंटों के भीतर इंडोनेशिया, फिलीपींस, पलाऊ, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के कुछ तटीय इलाकों में सुनामी की लहरें पहुंच सकती हैं। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी।

कई देशों में महसूस हुए झटके : भूकंप के झटके सिर्फ फिलीपींस तक सीमित नहीं रहे। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी और नॉर्थ मालुकू प्रांतों में भी कपन महसूस किया गया।

तिरुप्परकुंद्रम विवाद : भाजपा अध्यक्ष ने टीवीके और मुख्यमंत्री विजय पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी चेन्नई। तमिलनाडु में तिरुप्परकुंद्रम विवाद को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री विजय और उनकी पार्टी तमिलनाा वेट्टी कड़गम (टीवीके) पर हमला बोला है। उन्होंने टीवीके पर द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की ‘निम्नस्तरीय राजनीति’ को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है। नैनार नागेंद्रन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद तिरुप्परकुंद्रम स्थित दीप स्तंभ पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति नहीं देने संबंधी बयान टीवीके विधायक और मंत्री निर्मल कुमार द्वारा दिए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि टीवीके मंत्री आदव अर्जुना भी इस रुख का समर्थन कर रहे हैं। नागेंद्रन ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ के निर्णय का सम्मान करने के बजाय सरकार के मंत्री एक विशेष पक्ष के समर्थन में और हिंदू भावनाओं के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह रवैया न्यायालय के आदेशों की अवहेलना के समान है।

भारत बन रहा ग्लोबल फार्मा हब, मप्र की बड़ी भूमिका : मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पूरी दुनिया में ‘फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड’ के रूप में अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। वर्तमान में दुनिया भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में ही नहीं, बल्कि एक भरपेसंद उत्पादन केंद्र, वैश्विक सप्लाई चेन पार्टनर और आर्थिक महाशक्ति के रूप में भी देख रही है। भारत को ‘ग्लोबल फार्मा हब’ बनाने में मध्य प्रदेश की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पीथमपुर में स्थापित होने जा रही विश्व की अग्रणी कंजुमर हेल्थकेयर कंपनी हेलियन ग्रुप की देश में पहली मैनुफैक्चरिंग यूनिट के भूमि-पूजन समारोह (वर्चुअल ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमोनी) को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर कंपनी की नई मैनुफैक्चरिंग यूनिट का सकेतिक भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश विकास आज हर क्षेत्र में निवेश के नये युग में प्रवेश कर आर्थिक एवं औद्योगिक विकास का नया अध्याय लिख रहा है। हेलियन कंपनी ने भारत में पहली मैनुफैक्चरिंग यूनिट के लिए मध्य प्रदेश के पीथमपुर को चुना है। मध्य प्रदेश की भूमि सफलता की धरती भी है। मध्य प्रदेश सरकार और हेलियन कंपनी के बीच अजर परस्पर विश्वास की और असीम संभावनाओं की नई शुरुआत हो रही है।

दिल्ली सरकार, सीएसआईआर-सीआरआरआई और एसपीए के बीच हुआ त्रिपक्षीय समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी की सड़कों को अधिक सुरक्षित, टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। इसी के तहत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआरआरआई) और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड अर्किटेक्चर (एसपीए) के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के अंतर्गत दिल्ली की शहरी सड़कों के सौंदर्यीकरण, वैज्ञानिक पुनर्रचना और हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए ‘स्ट्रीटड्रै फ़्रेमवर्क फॉर पेंविंग एंड ग्रीनिंग ऑफ अर्बन रोड’ लागू किया जाएगा।

इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिस्सा सहित सीएसआईआर-सीआरआरआई के वैज्ञानिक, एसपीए के विशेषज्ञ और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह एमओयू राजधानी में सड़क निर्माण, रखरखाव, रोड सेफ्टी, ग्रीनिंग, स्ट्रीटस्केप डेवलपमेंट एवं धूल प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक मानकीकृत, वैज्ञानिक और टेक्नोलॉजी-ड्रिवन फ़्रेमवर्क विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मध्य प्रदेश 7.63 लाख से अधिक बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण कर देश के शीर्ष राज्यों में हुआ शामिल

भोपाल। महिलाओं को सर्वाङ्कल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए देशव्यापी एचपीवी(ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान में मध्य प्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल हो गया है। स्वास्थ्य अमले, सहयोगी विभागों की प्रतिबद्धता एवं सतत मॉनिटरिंग के परिणामस्वरूप प्रदेश में 7.63 लाख से अधिक पात्र बालिकाओं का सफलतापूर्वक एचपीवी टीकाकरण किया जा चुका है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश ने एचपीवी टीकाकरण अभियान में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर यह सिद्ध कर दिया है कि जनभागीदारी, स्वास्थ्य अमले की प्रतिबद्धता और प्रभावी नेतृत्व के बल पर बड़े से बड़े जनस्वास्थ्य अभियानों को समय से पहले सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने अभियान से जुड़े चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, एएनएम, शिक्षकों, जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सफलता के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रवेश की बेटियों को सर्वाङ्कल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाकर सुरक्षित भविष्य देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई में पश्चिम बंगाल शामिल, देशभर में योजना का विस्तार पूरा

एजेंसी नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में अब पश्चिम बंगाल भी शामिल हो गया है। इसके साथ ही इस योजना का राष्ट्रीय स्तर पर पूर्ण विस्तार हो गया है। यह अब सभी 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लागू हो चुकी है। पश्चिम बंगाल के जुड़ने से राज्य की लगभग 1.43 करोड़ परिवारों को इस योजना के तहत 5 लाख रुपयेतक का सालाना स्वास्थ्य कवरेज मिलेगा। विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जात प्रकाश नड्ड ने की। इस मौके पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित रहे। देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना

सरकारी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना बन चुकी है। अब तक इस योजना के तहत 12 करोड़ से अधिक उपचार हो चुके हैं, जिनकी कुल लागत 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज में बड़ा आर्थिक सहारा मिलेगा। इस योजना के तहत इलाज कैशलेस और पेपरलेस होगा और मरीज देशभर के 36,000

लाख रुपये की इनामी राशि घोषित की है। जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने बताया कि स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की भोपाल इकाई द्वारा बर 2015 में दर्ज एक प्रकरण में बाघ के अवैध शिकार तथा उसके अंगों की अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय तस्करी के मामले में मुख्य आरोपित जे.ई.

26/11 के अनसुने नायकों को सलाम : सेवा, साहस और समर्पण की कहानी है ‘भारत भाग्य विधाता’ : मुख्यमंत्री साय

एजेंसी रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के जोगा मॉल में ‘भारत भाग्य विधाता’ फिल्म की प्री-लॉन्च स्क्रीनिंग सेरेमनी में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय एवं परिजन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में प्रख्यात अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत, फिल्म के निर्देशक मनोज तापड़िया सहित फिल्म जगत से जुड़े कलाकार, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए बड़े सौभाग्य का विषय है कि कंगना रनौत की फिल्म ‘भारत भाग्य विधाता’ की स्क्रीनिंग प्रदेश में आयोजित हो रही है और इस अवसर पर वे स्वयं यहां पधारी हैं। उन्होंने

ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने इंदौर पहुंचे विदेशी मेहमानों ने 56 दुकान में मालवा के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ उठाया

एजेंसी इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में 09 जून से 13 जून तक आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेशी मेहमान इंदौर पहुंच गए हैं। राज्य शासन द्वारा मेहमानों का स्वागत पुष्पवर्षा से किया गया। विदेशी मेहमानों ने शाम को इंदौर के प्रसिद्ध 56 दुकान में मालवा के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ उठाया। बाजील, इथोपिया, इण्डोनेशिया, दक्षिण अफ्रिका आदि देशों से आए मेहमानों ने 56 दुकान में मालवी व्यंजन शिकर्जी, दही बड़ा, शाही पोहा, कचौड़ी, पेटिस, साबुदाने की खिचड़ी आदि व्यंजनों का लुफ लिया। व्यंजनों में हाईजिना का विशेष ध्यान रखा गया। उनके स्वागत के लिए शास्त्रीय संगीत की महफिल भी सजाई गई। इतिहासकार जगन् अंसारी सहित श्रवण जोशी ने विदेशी मेहमानों को मालवी व्यंजनों के फूड के बारे में जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ के तीन जांबाज जवान देश के प्रतिष्ठित वीरता सम्मान शौर्य चक्र से सम्मानित

एजेंसी रायपुर। छत्तीसगढ़ के लिए आज गर्व का बड़ा दिन है। राज्य के तीन जांबाज जवानों को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों देश के प्रतिष्ठित वीरता सम्मान शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। इनमें छत्तीसगढ़ के बालोद निवासी असम राइफल के जवान भोजराम साहू, छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के दो जांबाज पुलिस अधिकारियों, इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट ,इंस्पेक्टर रामेश्वर प्रसाद देशमुख और बालोद के रहने वाले असम राइफल के जवान भोजराम साहू शामिल हैं। बालोद जिले के डौंडी इलाके के छोटे से गांव डेरौंठिया के रहने वाले भोजराम साहू की कहानी रोंटेते खड़े कर देने वाली है। बात 15 नवंबर 2024 की है। मणिपुर के टेंगनोपाल में कुछ आतकियों के छिपे होने की खबर मिली। भोजराम अपनी टीम के साथ मोर्चे पर डट गए। सुबह करीब साढ़े नौ बजे अचानक तबड़गढ़ फायरिंग शुरू

नहीं हटाई और लगातार गोलियां बरसाते रहे। नतीजा यह हुआ कि आतकियों को मुँहना छोड़कर भागना पड़ा। इस कोंकैर के हाफोटोला जंगल ने 3 खतरनाक आतकियों को ढेर कर दिया था। बस्तर और राजनांदगांव के बीहड़ों में नक्सल विरोधी अभियान की जब भी बात आती है। लक्ष्मण केवट और

रामेश्वर देशमुख का नाम सबसे पहले आता है। इन दोनों अफसरों को महकमे में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। लक्ष्मण केवट आज तक 97 और रामेश्वर देशमुख 56

नहीं हटाई और लगातार गोलियां बरसाते रहे। नतीजा यह हुआ कि आतकियों को मुँहना छोड़कर भागना पड़ा। इस कोंकैर के हाफोटोला जंगल ने 3 खतरनाक आतकियों को ढेर कर दिया था। बस्तर और राजनांदगांव के बीहड़ों में नक्सल विरोधी अभियान की जब भी बात आती है। लक्ष्मण केवट और

प्रदेश 26/11 के अनसुने नायकों को सलाम : सेवा, साहस और समर्पण की कहानी है ‘भारत भाग्य विधाता’ : मुख्यमंत्री साय

उन अनसुने और अनदेखे नायकों को सम्मान देती है, जिनके असाधारण योगदान को अक्सर पर्याप्त पहचान



स्वागत और अभिन्नंदन है। मुख्यमंत्री साय ने फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों, तकनीकी विशेषज्ञों और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जो

नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा कि आज इस स्क्रीनिंग में सुश्री कंगना रनौत और उनकी टीम के साथ स्वास्थ्य विभाग की बहनों की उपस्थिति इस फिल्म की भावना को

ने मालवी व्यंजनों के लुफ उठाने के साथ 56 दुकानों के इतिहास के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मेहमानों को भाषा की सुगमता हेतु प्रशासन



संघ के पदाधिकारियों ने आतिथ्य परम्परा के अनुसार सभी मेहमानों का आत्मीय स्वागत कर उन्हें मालवी व्यंजन परोसे। मेहमानों के स्वागत के लिये 56 दुकान के परिसर को विशेष तौर पर सजाया गया। विदेशी मेहमानों



रामेश्वर देशमुख का नाम सबसे पहले आता है। इन दोनों अफसरों को महकमे में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। लक्ष्मण केवट आज तक 97 और रामेश्वर देशमुख 56

नहीं हटाई और लगातार गोलियां बरसाते रहे। नतीजा यह हुआ कि आतकियों को मुँहना छोड़कर भागना पड़ा। इस कोंकैर के हाफोटोला जंगल ने 3 खतरनाक आतकियों को ढेर कर दिया था। बस्तर और राजनांदगांव के बीहड़ों में नक्सल विरोधी अभियान की जब भी बात आती है। लक्ष्मण केवट और

रामेश्वर देशमुख का नाम सबसे पहले आता है। इन दोनों अफसरों को महकमे में एनकाउंटर स्पेशलिस्ट कहा जाता है। लक्ष्मण केवट आज तक 97 और रामेश्वर देशमुख 56

और अधिक सार्थक बनाती है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह गर्व की बात है कि फिल्म के निर्देशक मनोज तापड़िया छत्तीसगढ़ की माटी के पुत्र हैं। उन्होंने यहां जन्म लिया, यहीं पले-बढ़े और लंबे समय तक मुंबई में रहकर इस महत्वपूर्ण विषय पर आधारित फिल्म की कहानी लिखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निंदोष लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की गई, जिसमें अनेक लोगों की जान गई। उस कठिन समय में अस्पतालों में कार्यरत महिला नर्सों, डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना सैकड़ों लोगों की जान बचाई और घायलों की सेवा की।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में संहिम्ध उग्रवादी हमले में एक की मौत

एजेंसी कांगपोकपी (मणिपुर)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में एक संहिम्ध उग्रवादी हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई।अनजान हथियारबंद हमलावरों ने ग्रामीणों के एक ग्रुप पर गोलियां चलाई, जो जलावन की लकड़ी इकट्ठा कर रहे थे और पीने के पानी की पाइपलाइन ठीक कर रहे थे। इस हमले में रोंगमई नागा समुदाय के 58 साल के चुंगजंगलुग पनमई की मौत हो गई, जो पॉपिंगलोग पार्ट-1 गांव के रहने वाले थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना टुपुल गांव के ऊपर जंगल वाले इलाके में हुई। यह इलाका न्यू कीथेलमनबी पुलिस स्टेशन से करीब 40 किमी दक्षिण-पश्चिम में है। सूत्रों ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 6:40 बजे नौ गांववाले जलावन की लकड़ी इकट्ठा करने और पीने के पानी की पाइपलाइन ठीक करने के लिए इलाके में गए थे। जब वे काम कर रहे थे, तो संहिम्ध उग्रवादियों ने करीब 500 मीटर दूर से उन पर गोलियां चला दीं। बाकी लोग

दिया। छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा गोलीबारी का संहिम्ध ऑपरेशन माना जाता है।अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के इरादे से भारी संख्या में शीर्ष नक्सलियों के हाफोटोला के जंगलों में जुटने की सटीक जानकारी मिली थी। डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गाई और सीमा सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने रणनीतिक रूप से पहाड़ी पर नक्सलियों की ताढ़ी घेराबंदी की। नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईसीडी ब्लास्ट और आंधाधुंध गोलीबारी का जवाब देते हुए जवानों ने कड़ा मुकाबला किया। साढ़े पांच घंटे तक चले इस भीषण युद्ध में सुरक्षा बलों ने बिना किसी बड़े नुकसान के 29 माओवादियों के शव और मौके से भारी मात्रा में एके-47, एसएलआर, ईसास राइफल और लाइट मशीन गन जैसे खतरनाक हथियार बरामद किए थे।यह प्रतिष्ठित सम्मान न सिर्फ कांकेर पुलिस बलिक पूरे छत्तीसगढ़ पुलिस बल के लिए बड़े गौरव का दिन है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य नेताओं ने बलिदान दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, ‘‘धरती आबा’ भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। स्वाधीनता के लिए अंतिम सांस लड़ने वाले जननायक बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खलिफा जनजातीय समाज को जागृत किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा तथा स्वाभिमान के लिए अपना जीवन



समर्पित कर दिया। विदेशी शासन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनके संघर्ष ने जनचेतना को नई दिशा दी और राष्ट्रभक्ति का ऐसा संदेश दिया जो आज भी हमें प्रेरित करता है। उनका अदम्य साहस, त्याग और बलिदान आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता

गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर पाकिस्तान ने भारतीय श्रद्धालुओं को जारी किए 737 वीजा

एजेंसी नई दिल्ली। गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले धार्मिक समारोहों में भाग लेने के लिए पाकिस्तान ने भारतीय श्रद्धालुओं को 737 वीजा जारी किए हैं। यह यात्रा 10 से 19 जून के बीच आयोजित होगी, जिसमें श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक सिख गुरुद्वारों में मत्था टेकेगे और धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने बताया कि श्रद्धालुओं को वार्षिक शहीदी समारोह में भाग लेने के लिए वीजा प्रदान किए गए हैं। यह आयोजन सिख समुदाय के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। वहीं, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अनुसार, समिति ने 561 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट वीजा के लिए जमा किए थे, जिनमें से 541 लोगों को वीजा मिला है। शेष 20 आवेदकों को इस बार वीजा नहीं मिल सका।एसजीपीसी के धर्म प्रचार विभाग के अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं का जत्था 10 जून को अमृतसर स्थित मुख्यालय से रवाना होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालु पाकिस्तान के विभिन्न ऐतिहासिक सिख तीर्थस्थलों में दर्शन करेंगे और 18 जून को आयोजित शहीदी दिवस कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जत्था 19 जून को भारत लौटेगा। सिख श्रद्धालुओं के लिए पाकिस्तान में स्थित कई गुरुद्वारे ऐतिहासिक और आस्था के प्रमुख केंद्र हैं, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में तीर्थयात्री पहुंचते हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में संहिम्ध उग्रवादी हमले में एक की मौत

भागने में कामयाब रहे, लेकिन पनमई के दाहिने पैर में गोली लग गई। बाद में वह लापता हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद, राज्य पुलिस ने इलाके में सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। चुंगजंगला पनमई की बोंडी दोपहर करीब 1:30 बजे जंगल के इलाके से मिली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शुरुआती जांच में सिर समेत शरीर पर कई गोлияयों के निशान मिले। जांच करने वालों का मानना ​​है कि पैर में गोली लगने के बाद उसे पास से गोली मारी गई होगी। हालांकि, जांच पूरी होने तक मौत के सही हालात की पुष्टि नहीं की जा सकती। सूत्र ने बताया कि शव को अंत्यपरीक्षण के लिए इंकाल के एक हॉस्पिटल भेज दिया गया है। पोंगरिंगलोग पार्ट-1,

टुपुल गांव के ऊपर बसा एक छोटा रोंगमई नागा गांव है। गांव में करीब 14 परिवार और करीब 60 लोग रहते हैं। घटना के बाद, पोंगरिंगलोग यु्थ क्लब ने हत्याओं की कड़ी निंदा की और गोलीबारी के लिए हथियारबंद कुकी उग्रवादियों के शामिल होने का आरोप लगाया। संगठन ने इस घटना को बहुत चिंताजनक बताया और निष्पक्ष और पूरी जांच की मांग की। हालांकि, अंतिम सूचना मिलने तक पुलिस ने हमलावरों को पहचान की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। गौरलवत है कि 05 जून को कांगपोकपी जिले के न्यू कीथेलमनबी सबडिवीजन के लोंडबोल खुल्लेन गांव में अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने कुकी समुदाय के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

नगर विकास एवं नगर पालिका विभाग ने केएमसी बोर्ड को भंग किया

एजेंसी कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार के नगर विकास एवं नगरपालिका मामलों के विभाग ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए कोलकाता नगर निगम (केएमसी) को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। जारी आदेश संख्या 1188/MA-15011(22)/22/2026-LS-MA SEC में कहा गया है कि निगम अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में अक्षम हो गया है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया। सरकार का यह निर्णय पांच जून को कोलकाता नगर निगम के मेयर के इस्तीफे के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर लिया गया है। विभाग ने पहले पांच जून को निगम को भंग करती नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा था कि आखिर निगम को क्यों न भंग कर दिया जाए। सरकारी आदेश के अनुसार, मेयर के इस्तीफे के बाद निगम की प्रशासनिक संरचना गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी।

निगम आयुक्त द्वारा राज्य सरकार को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया कि मेयर के पद छोड़ने से नगर निगम की प्रमुख प्रशासनिक व्यवस्था लगभग ठप हो गई है। इसके साथ ही मेयर-इन-काउंसिल के एक सदस्य, बरो-12 के चेयरमैन और नगर निगम की विभिन्न समितियों से जुड़े प्रतिनिधियों के इस्तीफों ने स्थिति को और जटिल बना दिया। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले दो महीनों से मेयर-इन-काउंसिल की कोई बैठक नहीं हुई है। निगम की मासिक बैठकें भी निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं हो पा रही हैं। कई महत्वपूर्ण समितियां निष्क्रिय हो चुकी हैं, जिससे नागरिक सेवाओं से जुड़े नीतिगत निर्णय प्रभावित हो रहे हैं। निगम प्रशासन ने आशंका जताई कि यदि यही स्थिति जारी रही तो कोलकाता में गंभीर नागरिक संकट उत्पन्न हो सकता है। मामले के निष्पक्ष के लिए राज्य सरकार ने एक विशेष समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि निगम में उत्पन्न गतिरोध के कारण प्रशासनिक कार्य लगभग ठप होने की स्थिति में पहुंच गए हैं और नागरिक सेवाओं को सुचारु रखने के लिए कानूनी प्रावधानों के तहत हस्तक्षेप आवश्यक है। समिति की सिफारिशों और निगम आयुक्त की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद राज्यपाल की ओर से कोलकाता नगर निगम अधिनियम, 1980 की धारा 117(1) के तहत निगम को अक्षम घोषित करते हुए तत्काल प्रभाव से भंग करने का आदेश जारी किया गया। इस फैसले के बाद अब कोलकाता नगर निगम के प्रशासनिक संचालन और भविष्य की व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार और कोी कार्रवाई होगी।

एजेंसी भोपाल, मध्य प्रदेश के वन्यजीव मुख्यालय ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए चलाए जा रहे सघन अभियानों के तहत इंटरपोल के रेड नोटिस जारी तीन फरार अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्कernों की गिरफ्तारी एवं उनके संबंध में सूचना के माध्यमों के लिए कुल 2

तमांग (दिल्ली) और ढक्के लामा (काठमांडू, नेपाल) पिछले लगभग दस वर्षों से फरार हैं। इसी तरह एसटीएसएफ की शिवपुरी इकाई द्वारा दर्ज कछुओं एवं घड़ियालों की अंतरराष्ट्रीय तस्करी से जुड़े प्रकरणों में आरोपित अल हज मोहम्मद शफिकुल इस्लाम उर्फ रहमान तालुकदार (ढका,



बांग्लादेश) की भी अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि तीनों आरोपितों के विरुद्ध संबंधित न्यायालयों द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं। अपराधों की गंभीरता तथा आरोपियों की संभावित अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों को देखते हुए इंटरपोल द्वारा तीनों

आरोपितों के विरुद्ध रेड नोटिस जारी किए गए हैं। इनके संबंध में सूचना देने अथवा गिरफ्तारी में सहयोग करने वालों के लिए वन्यजीव मुख्यालय ने जे.ई. तमांग पर एक लाख रुपये तथा ढक्के लामा एवं रहमान तालुकदार पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया

है। वन्यजीव मुख्यालय ने आमजन से अपील की है कि वांछित आरोपितों के संबंध में कोई भी सूचना मोबाइल नंबर 9424792115, 9424797059 एवं 9424797031 पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

ऋतुराज के शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को हराया

दांबुला (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ के शानदार शतक के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए टीम ने श्रीलंका ए को त्रिकोणीय एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 8 रनों से हरा दिया। इस मैच में ऋतुराज के शतक से भारतीय टीम ने श्रीलंका ए को जीत के लिए 278 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसके जवाब में श्रीलंका ए टीम 269 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार भारतीय टीम ने 8 रनों से मुकाबला जीत लिया। श्रीलंका की ओर से सबसे अधिक 74 रन साहन अराचिगे ने बनाये। 48वें ओवर में अंशुल कांबोज ने सहान अराचिगे को पेवेलियन भेज दिया। . उस समय श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 गेंदों में 9 रन चाहिए थे और उसके पास तीन विकेट थे पर इसके बाद

उसके बल्लेबाज टिक नहीं पाये। वानुजा सहान 23 रन बनाकर रनआउट हो गए। वहीं . मोहम्मद शिराज खाता खोले बिना आउट हुए और श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर आउट हो गयी। भारत ए की ओर से से अरशद खान, अनुकुल रॉय, आयुष बढोनी, वपराज निगल ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले ऋतुराज के शानदार शतक से भारत ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 बनाये हैं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2 और वैभव सूर्यवंशी 14 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद प्रियांश आर्य और ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाला।

दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रन बनाये। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए प्रियांश ने 32 गेंदों पर 32 रन बनाये। प्रियांश के आउट होने के बाद ऋतुराज और कप्तान तिलक वर्मा ने पारी संभाली और चौथे विकेट के लिए 150 रन बनाये। ऋतुराज ने 114 गेंदों पर 3 छक्कों और 6 चौकों की सहायता से 101 रन बनाये। कप्तान तिलक वर्मा ने भी 97 गेंदों पर 60 बनाये। आयुष बढोनी ने 24 और सुर्यांश शेडगे ने 26 रन बनाए। इस प्रकार भारत ए टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। वहीं श्रीलंका ए की ओर से मोहम्मद शिराज ने 2 विकेट जबकि चमिका करुणारत्ने, गारुका संकेथ, और वानुजा सहान ने 1-1 विकेट लिए।



महिला टी20 विश्व कप के प्रबल दावेदारों में न्यूजीलैंड सहित ये चार टीमें

–ऑस्ट्रेलिया के नाम रहन है सबसे अधिक बार खिताब

लंदन (एजेंसी)। 12 जून से इंग्लैंड में शुरू हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट को लेकर सभी टीमें अपनी तैयारियों को अंतिम

का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बाद, इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप के फाइनल में सबसे अधिक चार बार फाइनल तक पहुंची है, हालांकि वह केवल एक बार, 2009 में जीत दर्ज करने में सफल रही है। वहीं साल 2012, 2014 और 2018 के फाइनलों में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है। कीवी टीम ने साल 2009 और साल 2010 में फाइनल खेला है पर उसे दोनों बार इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वहीं साल

रुप देने में लगी हैं। इसको लेकर प्रशंसकों में भी जवबदास्त उत्साह है। इस बार खिताब की बड़ी दावेदारों में मौजूद चैंपियन न्यूजीलैंड सहित कुल चार टीमें ऑस्ट्रेलिया, मेजबान इंग्लैंड और भारत भी है। न्यूजीलैंड टीम का लक्ष्य अपने खिताब को बनाये रखना रहेगा। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड भी इस बार खिताब अपने नाम करने उतरेंगी। पिछले आंकड़ों पर नज़र डालें तो महिला टी20 विश्व कप में सबसे अधिक बार ऑस्ट्रेलिया की टीम जीती है। उसने सबसे अधिक सात बार इस टूर्नामेंट का फाइनल अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया केवल एक बार, साल 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए फाइनल में हारी है। इसलिएइस बार भी कंगारूओं को खिताब

2024 में न्यूजीलैंड ने पहली बार इस टूर्नांी को अपने नाम किया और फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। पिछले कुछ समय में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी प्रभावित किया है। है। पिछले दो महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में साउथ अफ्रीका ने जगह बनाई है, लेकिन दोनों ही बार वे चैंपियन बनने से रह गईं। साल 2023 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने और 2024 में न्यूजीलैंड ने हराया था। वहीं भारतीय टीम का पिछले कुछ समय से प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। भारतीय टीम साल 2020 विश्व कप में फाइनल में पहुंची थी पर उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करन पड़ा था। इस बार भारतीय टीम का लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

रोहित और हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए फिट हो जायेंगे : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सिताशु कोटक ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांडया पूरी तरह फिट होने के करीब हैं। ऐसे में ये दोनों अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से वापसी कर सकते हैं। कोटक ने कहा कि उन्हें दोनों खिलाड़ियों की मेडिकल रिपोर्ट की पूरी जानकारी नहीं पर जो जानकारी मिली है। उससे साफ है कि इन दोनों की फिटनेस पहले से ठीक हुई है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी शीघ्र ही पूरी फिटनेस हासिल कर लेंगे। कोटक के इस बयान से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों भी भी राहत है क्योंकि सभी को उम्मीद है कि रोहित इस सीरीज ही नहीं साल 2027 विश्व कप में भी खेलेंगे। रोहित आईपीएल के 19 वें सत्र के दौरान ही हैमरिस्ट्रिंग के दर्द से परेशान थे। इसी कारण कारण वह कुछ महत्वपूर्ण मुकाबलों से बाहर थे। वहीं ऑलराउंडर पांडया भी पीठ में जकड़न के कारण तीन मैचों से बाहर रहे थे। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ी अपनी चोटों से उबरते हुए सत्र के अंतिम चरण में अपनी फेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिए मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रोहित और हार्दिक की फिटनेस को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसका कारण है कि अभी तक इन दोनों को बैंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी से फिटनेस मंजूरी नहीं मिली है पर सोशल मीडिया पर इनकी ट्रेनिंग की कुछ तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी वापसी को लेकर अटकलें और चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्साह का माहौल है।

महिला टी20 विश्व कप : क्या भारत लगातार दूसरा खिताब जीत पाएगा?, 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं

बेंगलुरु (एजेंसी)। क्या भारत ऐतिहासिक ‘डबल’ (दो बड़े खिताब एक साथ जीतना) पूरा कर पाएगा? क्या ऑस्ट्रेलिया अपनी खोई हुई जगह वापस पा सकेगा? क्या हमेशा अंतिम पड़ाव पर चूकने वाला दक्षिण अफ्रीका इस बार सुर्खियां बटोरेगा? या कोई कमजोर मानी जाने वाली टीम रोमांचक जीत हासिल करेगी? इंग्लैंड में 12 जून से शुरू हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के 10वें सत्र में कई रोमांचक संभावनाएं हैं। आइए दावेदारों और उनकी चुनौतियों पर नज़र डालते हैं–

भारत
पिछले साल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने के बाद भारत टी20 प्रारूप में जीत दर्ज करके शानदार ‘डबल’ पूरा करने के लिए उत्सुक होगा। ऐसा कमाल सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही कर पाया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम में ऐसा करने की क्षमता है जैसा कि पिछले छह महीने में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धेरूल् श्रृंखला में उनकी जीत से साबित हुआ है। लेकिन दक्षिण अफ्रीका (4-1) और इंग्लैंड (2-1) के खिलाफ उनकी सत्रयों पर भारत को हार झेलनी पड़ी।

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की कमी भी खलेगी जो इंग्लैंड

की परिस्थितियों में अहम भूमिका निभा सकती थीं। भारतीय टीम को उम्मीद होगी कि बल्लेबाज शुरू से ही लय पकड़ लेंगी और रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ की तेज गेंदबाजी तिकड़ी शानदार स्पेल डाल पाएंगी। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिक्स, हरमनप्रीत, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी कुछ प्रमुख खिलाड़ियों ने ‘द हंड्रेड’ और ‘किया सुपर लीग’ में खेला है और वह अनुभव काम आएगा।

ऑस्ट्रेलिया
छह बार की चैंपियन टीम को एलिसा हेली के संन्यास के बाद सोफी मोलिन्यु के रूप में नई कप्तान मिली है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया की असली ताकत उनकी जानी-पहचानी और भरोसेमंद कौर टीम है जिसमें एलिस पेरी, ताहलिया मैकड, एश्ले गार्डनर, मेगन शूट, एलेना किंग और बेथ मूनी शामिल हैं। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल् और बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लुसी हैमिल्टन के आने से टीम और मजबूत हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2017 के बाद पहली बार बिना किसी टूर्नांी के आईसीसी प्रतियोगिता में उतर रही है और वे निश्चित रूप से इस स्थिति को बदलना चाहेंगे।

न्यूजीलैंड

टीम को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर



जिसमें अनुभव और युवा जोश का सही मिश्रण है और उन्हें हराना आसान नहीं होगा। न्यूजीलैंड की उम्मीदें मुख्य रूप से सोफी डिव्वाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहुरु पर टिकी होंगी। टीम इस तिकड़ी के लिए खिताब जीतना चाहती है क्योंकि वे इस टूर्नामेंट के बाद इस प्रारूप से अलग हो जाएंगी। टीम को ऑलराउंडर अमेलिया केर से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि हाल ही में बल्ले से उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। वह 2024 में फाइनल और टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही थीं। पिछले दो वर्षों में उनकी साख और कौशल में और निखार आया है।

इंग्लैंड

मेजबान टीम नियमित कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट की फिटनेस पर नजर रखेंगी जो भारत के खिलाफ हालिया श्रृंखला में नहीं खेल पाई थीं।

खेल

वैभव सूर्यवंशी का अनूठा डाइट प्लान: स्वाद से समझौता नहीं, प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक क्रिकेट में

अब खिलाड़ियों का प्रदर्शन केवल उनके कौशल तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि फिटनेस भी टीम में चयन का एक महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है। खिलाड़ी न केवल घंटों नैट पर पसीना बहाते हैं, बल्कि जिम में कठोर वर्कआउट करते हुए अनुशासित डाइट प्लान की भी पालन करते हैं पर उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी का अंदाज इससे अलग है। महज 15 साल की उम्र में अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचने वाले वैभव खाने के बहुत शौकीन हैं और किसी प्रकार का परहेज नहीं रकते। उनके इस शौक के कारण कई बार उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठे, लेकिन मैदान पर उनके धमाकेदार खेल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। ऐसे में क्रिकेट प्रेमी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आखिर 15 साल के इस उमरते हुए बल्लेबाज को किस तरह का खाना पसंद है और उनका डाइट प्लान क्या है।

वैभव अपने एक बार कहा था कि उन्हें घर का बना खाना बेहद पसंद है। खासतौर पर नॉनवेज फूड में उन्हें मटन खाने का बहुत शौक है, जिसे वह बेहद चाव से खाते हैं। इसके अलावा, चिकन और हाई प्रोटीन के लिए मछली भी उनकी डाइट का हिस्सा हैं। सिर्फ मांसाहारी भोजन ही नहीं, वैभव मिठाई के भी बहुत बड़े शौकीन हैं। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह स्वादिष्ट राजभोग का स्वाद लेते हैं। इसके साथ



ही आइसक्रीम भी उनकी पसंदीदा चीजों में से एक है। फिलहाल, वैभव खाने-पीने में कोई खास परहेज नहीं करते और जो उन्हें पसंद आता है, उसे खाते हैं। उनका यह बेपरवाह अंदाज आज के युवा खिलाड़ियों के सख्त डाइट रूटीन से काफी अलग है।

यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि आईपीएल 2026 के दौरान जब वैभव से उनकी फिटनेस के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया था कि वह धीरे-धीरे अपने डाइट प्लान में बदलाव करेंगे। उनका मानना ​​है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उन्हें अपनी

फिटनेस को और बेहतर बनाना होगा। हालांकि, वैभव दिखने में थले ही थोड़े भारी लगते हैं, लेकिन मैदान पर जब उनका बल्ल बोलता है, तो पता चलता है कि वह पूरी तरफ से फिट हैं। यही कारण है कि कई क्रिकेट विशेषज्ञों ने उन्हें अपने खान-पान में तत्काल कोई बड़ा बदलाव न करने की सलाह भी दी है, ताकि उनके स्वाभाविक खेल पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। वैभव अपने खेल और खाने के बीच एक ऐसा संतुलन बनाए हुए हैं, जो उन्हें एक विशिष्ट पहचान देता है और भविष्य में जब वह अपनी फिटनेस पर और काम करेंगे, तो निश्चित रूप से और भी खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे।

डेब्यू टेस्ट में छाप मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया रिपन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा सिनर मानव सुथार के रूप में एक नया सिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुख्य्पर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खंच करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार सिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खंच करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार सिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खंच करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार सिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खंच करते हुए 6 बहुमूल्य विकेट चटकाए, जो उनके शानदार नियंत्रण और विकेट लेने की क्षमता का प्रमाण है। दूसरी पारी में भी उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया। यह प्रदर्शन न केवल टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है, बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए एक नई और होनहार सिन प्रतिभा के उभरने का स्पष्ट संकेत भी है। उनके इस दमदार आगाज से टीम प्रबंधन और प्रशंसकों दोनों में उत्साह का माहौल है।

डेब्यू टेस्ट में छाप मानव सुथार, भारतीय क्रिकेट को मिला नया रिपन सितारा

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट को युवा सिनर

मानव सुथार के रूप में एक नया सिन सितारा मिल गया है। सुथार ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में सनसनीखेज प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया है। मुख्य्पर स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस एकमात्र टेस्ट मुकाबले में सुथार ने अपनी करिश्माई गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक अबूझ पहली साबित हुए। उन्होंने अपनी पहली ही उपस्थिति में कुल सात विकेट झटककर भारतीय टीम को मजबूती प्रदान की है।

मानव ने पहली पारी में सिर्फ 33 रन खंच करते हुए 6



लिए टेस्ट डेब्यू पर तीसरा सबसे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा दर्ज करने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह इस विशिष्ट सूची में केवल महान सिनर नरेंद्र हिखानी से पीछे हैं, जिन्होंने 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 8-8 विकेट लेकर कुल 16 विकेट

चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस यादगार प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदे खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर सिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूँ और विकेट ले सकूँ। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

चटकाए थे। सुथार का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास के पन्नों में दर्ज करा गया है और उन्हें भविष्य के लिए एक उज्ज्वल संभावना के रूप में स्थापित करता है।

अपने इस यादगार प्रदर्शन के बाद मानव सुथार ने मैच के दौरान अपनी घबराहट पर काबू पाने और अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को लाचार करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया, जब मैं पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा, तो मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। कुछ गेंदे खेलने के बाद ही मुझे यह समझ आ गया था कि इस विकेट पर सिनरों के लिए थोड़ी मदद मौजूद है। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद जब मैं गेंदबाजी करने आया और अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे वही अहसास हुआ। उसके बाद मेरा पूरा ध्यान केवल सही लाइन, लेंथ और अपनी गति पर नियंत्रण रखने पर था, ताकि मैं लगातार दबाव बना सकूँ और विकेट ले सकूँ। उनका यह बयान उनकी परिपक्वता और खेल के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाता है। मानव सुथार के इस चमकदार डेब्यू ने भारतीय चयनकर्ताओं और प्रशंसकों दोनों को एक नई उम्मीद दी है, जिससे आने वाले समय में उन्हें बड़े मंच पर और अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है।

अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी तेज गेंदबाज शबिनम इस्माइल को टीम में शामिल किया है लेकिन उनकी असली ताकत नेदिन डि क्लर्क, सुने लूस, क्लो ट्रायोन और डेन वान नीकर्क जैसी खिलाड़ी हैं जो खेल के किसी भी चरण में शानदार प्रदर्शन

आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए सिराज को आराम, कृष्णा शामिल



पेरिस (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया है। टीम प्रबंधन ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम के साथ बातचीत के बाद सिराज को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम देते हुए ये फैसला किया है। इस फैसले से पता चलता है कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर पूरी सतर्कता रखता है।

इसी कारण बोर्ड की मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के बीच गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि सिराज को एक लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले पूरी तरह से तरोताजा होने का मौका दिया जाए। यह कदम उन्हें भविष्य में होने वाली एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट बनाये रखने की रणनीति का हिस्सा है। सिराज हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे, जहां उन्होंने अपनी तेज गेंदबाजी से अहम योगदान दिया था। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, अफगानिस्तान के

खिलाफ एकदिवीसय सीरीज के लिए उन्हें आराम दिया गया था, जो उनके कार्यभार को प्रबंधित करने की दिशा में एक और कदम था। अपने छोटे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में सिराज ने अब तक 17 मैचों में 17 विकेट हासिल किए हैं।

सिराज की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। कृष्णा ने अपने पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट लिए हैं, जो उनकी विकेट लेने की क्षमता को दिखाता है। इसके अलवा

आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के लिए भी उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम अपने दौर में आयरलैंड में दो टी20 जबकि इंग्लैंड में पांच मैचों की टी20 सीरीज खिलेगी।

टीम इस प्रकार है
श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, गौरांगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अरविंदप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

ईरान के फुटबॉल महासंघ का दावा, अमेरिका में होने वाले मुकाबलों के लिए प्रशंसकों के टिकट रद्द



तिजुआना (मैक्सिको) । ईरान के फुटबॉल महासंघ ने मंगलवार को दावा किया कि फीफा ने अमेरिका में होने वाले देश के तीन विश्व कप मुकाबलों के लिए ईरानी प्रशंसकों को मिलने वाले टिकट रद्द कर दिए हैं। विश्व कप में हिस्सा लेने वाली 48 टीम में से हर महासंघ को स्टेडियम की क्षमता के आठ प्रतिशत टिकट मिलते हैं और उसके पास उन्हें बांटने का अधिकार होता है, यानी हर मैच के लिए कई हजार टिकट। ईरान को विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत 15 जून को लॉस एंजेलिस रेम्स के स्टेडियम इंगलवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ करनी है, और इससे कुछ दिन पहले महासंघ ने एक बयान में कहा कि वह अपने समर्थकों को कोई भी टिकट नहीं दे पाएगा। इस मामले में प्रतिक्रिया के लिए फीफा से संपर्क किया गया था। इस दावे से ईरानी फुटबॉल, फीफा और टूर्नामेंट के सह मेजबान अमेरिका के बीच चल रही उथल-पुथल और बढ़ गई है। अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए थे। ईरान की टीम युद्ध पूर्व के कार्यक्रम के तहत परिजोना के टक्सन की जगह मैक्सिको की सीमा पर बसे शहर तिजुआना में ट्रेनिंग कर रही है। महासंघ के कुछ अधिकारियों को भी अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा नहीं मिला है जहां ईरान 21 जून को इंगलवुड में बेल्जियम और फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ भी खेलेगा। पिछले साल से ही अमेरिकी सरकार ने ईरान के निवासियों पर यात्रा प्रतिबंध लगा रखा था और उन्हें विश्व कप के लिए प्रवेश वीजा मिलने की संभावना कम थी।

पाक क्रिकेटर खुशदिल शाह का विवादास्पद आरोप : भारत के पक्ष में जाते हैं अधिकांश अंपायरिंग फैसले

लाहौर । शाहिद अफरीदी सहित कई पाकिस्तानी क्रिकेटर हमेशा ही भारत के खिलाफ विवादास्पद बयान देते रहते हैं। अब इनमें ऑलराउंडर खुशदिल शाह भी शामिल हो गये हैं। जाने खुशदिल ने अब कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बड़े मुकाबलों में अंपायरिंग को लेकर अधिकतर फैसले भारत के पक्ष में जाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंध तनावपूर्ण हैं। ऐसे में खुशदिल के इस प्रकार के आरोप माहौल को और गर्मा सकते हैं। खुशदिल शाह ने सिर्फ अंपायरिंग पर ही सवाल नहीं उठाए, बल्कि उन्होंने मैचों के आयोजन स्थल के चयन पर भी अपनी आपत्ति जताई है। शाह के अनुसार, अवसर मैच स्थल पर भारत की पसंद के हिसाब से जय किए जाते हैं, जिससे उन्हें खेल में लाभ मिलता है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों की ओर से भारत के खिलाफ इस तरह के आलोचनात्मक बयान नये नहीं हैं और पहले भी कई क्रिकेटर भारत के खिलाफ बयानबाजी करते आये हैं। एक कार्यक्रम में जब इस क्रिकेटर से भार-पाक मुकाबलों को लेकर पूछा गया तो उसने कहा, मैच में दबाव तो ज्यादा नहीं होता परन्तु इस मैच से भावनाएं बहुत गहराई से जुड़ी होती हैं। दूसरी बात यह है कि मैच में जो चीजें होती हैं, वे अवसर टीम इंडिया के पक्ष में जाती हैं। जैसे कभी- कभी अंपायर का फैसला उनके पक्ष में चला जाता है, और इंट्रिंग रूम के कुछ फैसले होते हैं वे भी भारत के पक्ष में होते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि मैच भी उनकी मर्जी से आयोजित होते हैं।



इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है।

अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।' उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फूकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।' अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।



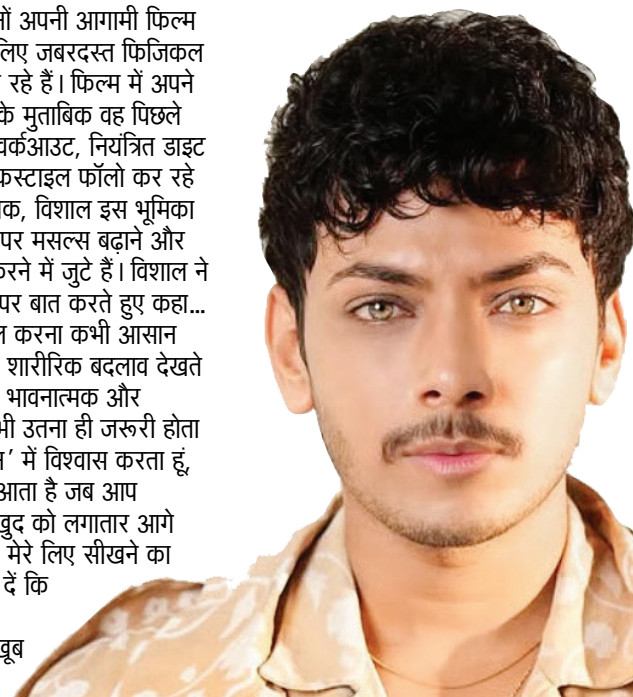
समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटपिलक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मा बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गलतफ्रेंड बनाता है तो उसे 'केसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।' अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मा बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे

हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है। माधुरी ने बताया, 'इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।' 'मा बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तुषि डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीताजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दूल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटपिलक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

विशाल जेटवा ने 'शक्ति शालिनी' के लिए बदला लुक, बढ़ाया वजन

विशाल जेटवा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'शक्ति शालिनी' के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। फिल्म में अपने किरदार की जरूरत के मुताबिक वह पिछले कई महीनों से सख्त वर्कआउट, नियंत्रित डाइट और अनुशासित लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल इस भूमिका के लिए खास - तौर पर मसल्स बढ़ाने और खुद को बल्क-अप करने में जुटे हैं। विशाल ने अपनी फिटनेस जर्नी पर बात करते हुए कहा... 'पीक फिटनेस हासिल करना कभी आसान नहीं होता। लोग सिर्फ शारीरिक बदलाव देखते हैं, लेकिन इसके पीछे भावनात्मक और मानसिक अनुशासन भी उतना ही जरूरी होता है। मैं 'नो पेन, नो गेन' में विश्वास करता हूँ, क्योंकि बदलाव तभी आता है जब आप मुश्किल दिनों में भी खुद को लगातार आगे बढ़ाते हैं। पूरी प्रक्रिया मेरे लिए सीखने का अनुभव रही है।' बता दें कि विशाल को हाल ही में 'होमबाउंड' के लिए खूब सराहना मिली थी।



शिल्पा शिंदे ने पोस्ट की क्रिटिक वीडियो, उत्पीड़न विवाद के बीच ट्रोलर्स को दिया जवाब

भारती सिंह के पोंडकास्ट में यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाने की बात को स्वीकार करने के बाद टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे सुर्खियों में आ गई हैं। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्स उनको खरी-खोटी सुना रहे हैं। यह सब देखकर शिल्पा चुप नहीं बैठ रही हैं, उन्होंने ट्रोलिंग करने वालों को क्रिटिक पोस्ट के जरिए अपना जवाब दिया है। शिल्पा ने जलने वाले लोगों का जिक्र किया शनिवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे लिखती हैं, 'जलने वालों जलते रहो, अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जला के खत्म कर दो।' इसके अलावा एक और फनी वीडियो पोस्ट वह शेयर करती हैं। इसमें एक रील उन्होंने बनाई है। इसमें वह एक फनी डायलॉग को बोल रही हैं, 'साफ

साफ बोलने के चक्कर में, जिंदगी से लोग ही साफ हो गए।'।

क्या था पूरा मामला?

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक चौकाने वाला खुलासा किया था। उन्होंने भारती सिंह के पोंडकास्ट में बताया कि सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ झूठा यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। लेकिन बाद में मामला सुलझ गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

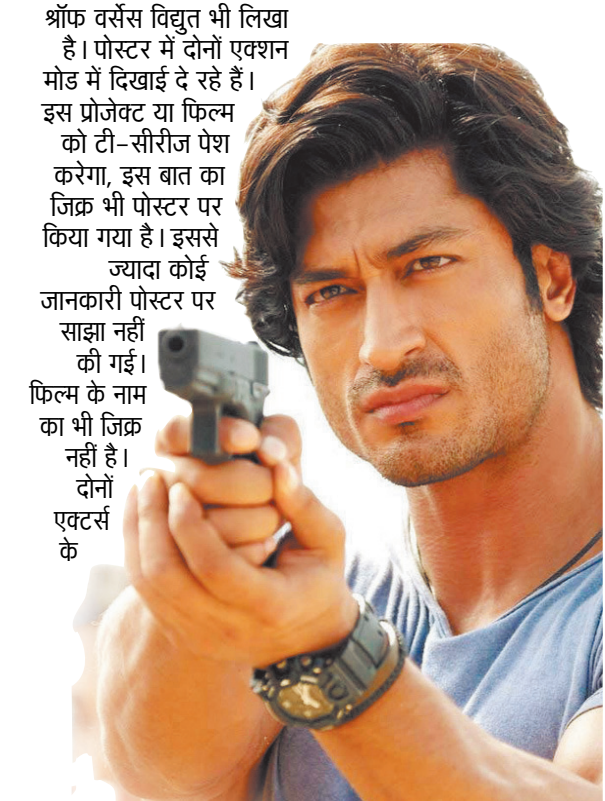


साथ फिल्म करेंगे टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है। दोनों एक्टर्स के

पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई। बता दें कि टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। ऐसा लगता है कि दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा करने के लिए दोनों वहां पहुंचे थे। टाइगर और विद्युत अपने करियर फ्रंट पर और क्या रहें हैं? टाइगर श्रॉफ के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह फिल्म 'बागी 4' में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रैस्पॉन्स मिला था। वहीं विद्युत एक हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में जल्द ही नजर आएंगे, इसमें भी वह जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे।



हल्की फुल्की फिल्में करना चाहती हैं रसिका दुग्गल



रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन गिनी चुनी एक्ट्रेसों में से हैं, जिन्होंने पर्दे पर ग्लैमर से ज्यादा गंभीर, सवेदनशील, इंटेंस वाली फिल्मों और किरदारों को तरजीह दी है। साल 2007 में 'अनवर' से डेब्यू करने वाली रसिका की फिल्मोग्राफी में आपको ऐसी कई फिल्मों मिल जाती हैं, जो लीक से हटकर, अंडररेटेड, लेकिन वलासिक हैं। फिर चाहे 'किस्सा' के नीली का किरदार हो या 'मंते' में बेगम साफिया का।

जब ओटीटी का दौर आया, तो वहां भी 'मिर्जापुर' से लेकर 'देली क्राइम', 'आउट ऑफ लव' जैसी वेब सीरीज ने रसिका नाम एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में दर्ज किया। 41 साल की रसिका हाल ही सैफ अली खान के साथ फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आईं, जहां वह कर्म और धर्म के बीच अपना कर्तव्य निभाने की जद्दोजहद में जुझ रहे जीवनसाथी का संबल बनती हैं। खास बातचीत में जब रसिका ने यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ऐसे गंभीर विषय ही उन्हें लुभाते हैं या कभी हल्के-फुल्के, कमर्शियल प्रॉजेक्ट करने का भी मन होता है? तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया, 'मैं खुद कुछ हल्का-फुल्का या कॉमेडी कॉन्टेंट तलाश रही हूँ। लेकिन साड़ी लहराने वाले रोल मुझे ऑफर ही नहीं होते।' जमशेदपुर, झारखंड में पैदा हुई रसिका दुग्गल सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि होनहार स्टुडेंट भी रही हैं। उन्होंने 2004 में दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन से गणित में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। वह सोशल कम्युनिकेशंस मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एक्टिंग में पीजी डिप्लोमा कर चुकी हैं। 'नो स्मोकिंग', 'हाइजैक' और 'तहान' जैसी

फिल्मों से छाप छोड़ चुकीं रसिका कहती हैं, 'मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी। कमर्शियल न हो भी हो तो ठीक है।'।

मैं भी चाहती हूँ कि लोगों की इस धारणा को तोड़ सकूँ

बकौल रसिका दुग्गल, 'मैं भी चाहती हूँ कि ये जो धारणा है कि मैं किसी चीज में काम कर रही हूँ तो वो इंटेंस ही होगी, उसे तोड़ तोड़ सकूँ। आप सही हैं कि काफी बार मुझे ऐसे ही रोल मिलते हैं। कुछ हल्के फुल्के भी मिले हैं जैसे 'लूटकेस'।

या 'ह्यूमरसली योर्स', लेकिन मुझे और ऐसे रोल करने को मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी। असल में मैं खुद ऐसा कुछ दूँ नहीं हूँ। जैसे अगर कॉमेडी में कुछ करने को मिले तो बहुत मजेदार होगा। क्या रसिका दुग्गल कभी पर्दे पर रूमानी अंदाज में पहाड़ों पर साड़ी का पल्लू लहराने वाली हीरोइन की तरह नजर आएंगी? इस पर वह कहती हैं, 'क्यों नहीं, बतौर एक्टर हम किसी चीज के लिए मना नहीं करते। हम सब अलग-अलग तरह का ही काम करना चाहते हैं, तो अगर ऐसा भी काम मिले तो कोई परहेज नहीं है। मैंने तो कभी ना नहीं कहा। मुझे कभी ऐसे रोल के ऑफर ही नहीं आए।'।

लगातार अच्छा काम मिलना भी बड़ी बात

रसिका बॉलीवुड में एक इमेज में बांध दिए जाने के बावत आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस इंटेंस-सीरियस वाले लेबल के अंदर भी हमें काफी कुछ करने को मिलता है। ऐसा नहीं है कि सारे इंटेंस रोल एक जैसे होते हैं। उसमें भी काफी विविधता होती है। वह भी बहुत अच्छी बात है। ऐसा सबकी लाइफ में नहीं होता कि आपको लगातार काम मिलता रहे और अच्छी स्क्रिप्ट मिलती रहे। साथ ही हर एक्टर चाहता है कि आपको एक अलग पहलू भी लोगों को दिखाने का मौका मिले लेकिन वो ऑफर मिलने की बात है।'।

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें खोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएंगे और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र है यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गमरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन। लोकट डल के मध्य में स्व लंक द्वीप स्थित है, तथा बोड डल जलधारा के मध्य में सोना लंक स्थित है। वनस्पति डल झील की खूबसूरती को और निखार देती है। कमल के फूल, पानी में बहती कुमुदनी, झील की सुंदरता को दुगुना कर देती है।

सैलानियों के लिए झील के सौंदर्य के अलावा भी विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन यहां पर उपलब्ध हैं। जैसे कि कायाकिंग, केनोइंग डोंगी

पानी पर

सर्फिंग करना व

एंगलिंग मछली

पकड़ना आदि से सफर और

ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर

के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुदूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं:

यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जोड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

धर्मशाला में उठारें बर्फली पहाड़ियों का रोमांच

पहाड़ियों में चीड़ व देवधर के घने जंगलों और बर्फ को करीब से देखने का अनुभव धर्मशाला में मिलता है। यहां सीधे-सादे और बौद्ध धर्म के बिरले चिन्ह भी यहां आसानी से देखने को मिलते हैं। धर्मशाला में झरने व सुहाने नजारे इस जगह को सभी की पसंद बनाते हैं। हालांकि अब यहां तिब्बत के लोग ज्यादा रहते हैं, लेकिन ब्रिटिश काल का प्रभाव इस छोटे शहर पर आज भी महसूस किया जा रहा है।

खूबसूरत पहाड़ी शहर धर्मशाला को यूं तो अंग्रेजों ने बसाया था, लेकिन अब तिब्बतियों की संख्या ज्यादा होने से इस पर वहां के कल्चर का इतना प्रभाव पड़ा है कि इसे लिटल ल्हासा के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में धौलाधर की पहाड़ियों में बसा धर्मशाला देश-विदेश के सैलानियों का पसंदीदा हिल स्टेशन है। इसे साल 1855 में अंग्रेज ने इसे बसाया था। दरअसल, यह उन 80 रिजॉर्ट्स में से था, जिन्हें अंग्रेजों ने गर्मी से बचने के लिए तैयार करवाया था।

गद्दी, तिब्बती, टेकर्स, टूरिस्ट और लोकल वेंडर्स, सब मिलकर निचले धर्मशाला यानी कोतवाली बाजार में एक अलग ही माहौल बनाते हैं। यह जगह समुद्र तल से 1250 मीटर की ऊंचाई पर है। लोगों का खूब आना-जाना होने की वजह से यहां खासी हलचल रहती है। समुद्र तल से 1768 मीटर की ऊंचाई पर बसे ऊपरी धर्मशाला यानी मैकलॉडगंज में दलाई लामा का निवास है। दोनों जगह की दूरी 10 किलोमीटर है। जहां तक घूमने की बात है, तो धर्मशाला में आपको अडवेंचरस व रिसचुअल माहौल मिलेगा। ठंडी पहाड़ी हवाओं में गुंजती प्रार्थनाओं की आवाजें मन को एक ठहराव देती हैं। ऐसे में बेशक धर्मशाला जाना दलाई लामा से मुलाकात के बिना अधूरा है और यकीन मानिए इस माहौल में उनका साथ किसी भी ईसान को कुछ देर के लिए एक अलग ही दुनिया में ले जाता है। वैसे, धर्मशाला की तमाम मोनेस्ट्रीज एक बार देखने लायक जख है और अलग-अलग समाधियों में भगवान बुद्ध की तांबे की प्रतिमाएं भी दर्शनीय हैं। अब जब इतना कुछ एक ही जगह पर मौजूद है तो देश-विदेश के पर्यटकों का सहज ही धर्मशाला की ओर खिंचे आना हैरानी की बात नहीं है। अगर आप मेडिटेशन करते हैं तो यहां के तुशिता मेडिटेशन सेंटर में मौक्स द्वारा दी जाने वाली क्लासेज जॉइन

धौलाधर की पहाड़ियों में ट्रेकिंग व रॉक क्लाइंबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

की जा सकती है। यहां आपको साफ-सुथरे आवास की सुविधा भी मिलेगी। मेडिटेशन सीखने के बाद नेचुंग मोनेस्ट्री में 3 किलोमीटर बना म्यूजियम देख सकते हैं। नोबरलिंगा इंस्टीट्यूट में आप नए आर्टिस्ट्स को थंका पेंटिंग्स सीखते देख सकते हैं। अगर आप दाल, चावल, रोटी और सैंडविच खाकर बोर हो गए हैं तो यहां आप बेहतरीन तिब्बती खाने का मजा ले सकते हैं। यहां के कई रेस्तरांओं में आपको लजीज मोमोज व थुकपा खाने को मिलेंगे। खाने का लुत्फ लेने के बाद आप लंबी वॉक, ट्रेकिंग और खूबसूरत नजारों में पिकनिक का मजा ले सकते हैं। यहां से 8 किलोमीटर आगे आपको ब्रिटिश राज का मेमोरियल चर्च ऑफ सेंट जॉन-इन-द विल्डरनेस देख सकते हैं। इसे ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड एलगिन के नाम पर बनाया गया है। निचले धर्मशाला में बना कांगड़ा आर्ट म्यूजियम कांगड़ा के सालों पुराने इतिहास को दिखाता है।

म्यूजियम की एक गैलरी में आपको कांगड़ा की मशहूर पेंटिंग्स, स्कल्पचर्स, मिट्टी के बर्तन और एंथ्रोपॉलजी से जुड़ी तमाम चीजें देखने को मिलेंगी। धर्मशाला के एंटी पॉइंट पर आपको एक बॉर मेमोरियल देखने को मिलेगा, जिसे स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद होने वाले जवानों की याद में बनवाया गया है। धर्मशाला में धर्मकोट व डल लेक जैसे पिकनिक स्पॉट्स भी हैं और यहां सितंबर के महीने में हर साल एक बड़ा मेला भी लगता है।

इसी के पास भगसुनाथ की श्राइन भी है। इस पुराने मंदिर के पास से बहते ताजे पानी से झरने इस जगह को एक अलौकिक नजारा बना देते हैं। देवी कुणान पथरी को समर्पित मंदिर, ततवानी के गर्म पानी के झरने और मछरैल के बड़े वॉटरफॉल भी देखने लायक जगहें हैं। अगर वुड वर्क में दिलचस्पी रखते हैं तो नौरबुलिका इंस्टीट्यूट जरूर जाएं। यहां हो रहे काम को आर्ट को देखकर निश्चित तौर पर आप हैरान रह

जाएंगे। स्वामी चिन्मानंद द्वारा बनाया गया चिन्मय तपोवन भी एक दर्शनीय जगह है। बिंदु सारस के किनारे बसे इस आश्रम में आपको नौ मीटर ऊंची हनुमान जी की मूर्ति, राम मंदिर, मेडिटेशन हॉल वगैरह दिखेंगे।

धौलाधर की पहाड़ियों में ट्रेकिंग व रॉक क्लाइंबिंग जाने के लिए धर्मशाला शुरूआती पॉइंट है। यहां कई नदियों व झरनों में एंगलिंग व फिशिंग का मजा लिया जा सकता है। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट गगला है, जिसकी यहां से दूरी 13 किलोमीटर है।

यहां से नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहां से धर्मशाला 85 किलोमीटर की दूरी पर है। सड़क मार्ग से यहां चंडीगढ़, कीरतपुर और बिलासपुर होते हुए पहुंचा जा सकता है।

तिब्बती नए साल यानी मार्च के आस-पास यहां बहुत टूरिस्ट आते हैं। वैसे, मई से अक्टूबर के बीच ट्रेकिंग सीजन रहता है। धर्मशाला में हैंडीक्राफ्ट मसलन तिब्बती कार्पेट, टेक्स्टाइल, ट्रिडिशनल, हैट्स, बैग्स, ट्राउजर्स, मेटलवर्क, जूलरी, जैकेट व हाथ से बने कार्डिगन आदि के शौकीनों के लिए ढेर सारी जगहें हैं।

